हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 171 • पृष्ठ 8 • दुमका, मंगलवार 20 जून 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः मंगलवार

चतरा को मिली बड़ी सौगात : मुख्यमंत्री द्वारा लाभुकों के बीच 2 करोड़ 81 लाख रुपएकी परिसंपत्ति का किया गया वितरण

- एयर कंडीशनर कमरे में नहीं, धरातल पर काम कर रही सरकार
- राज्य में पंचायत स्तर दवा दुकान योजना का किया शुभारंभ,

चतरा।

चतरा जिले से आज राज्य सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट- पंचायत स्तर दवा दुकान योजना की सौगात झारखंड को मिली। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने आज ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित युवाओं को पंचायतों में दवा दुकान संचालित करने का लाइसेंस सौंप कर इस योजना का शुभारंभ किया। अवसर था योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास परिसंपत्ति एवं नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अब गांव-गांव में भी दवा दुकान खोले जाएंगे । यहां जरूरी और अनिवार्य दवाएं उपलब्ध होंगी । ताकि, रिमोट और दूरदराज में रहने वाले ग्रामीणों को दवाओं के लिए प्रखंड और जिले की दौड़ नही लगाना पड़े।

● राज्य को बेहतर और जिम्मेदार व्यवस्था देने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को एक बेहतर और जिम्मेदार व्यवस्था देने का प्रयास जारी है ताकि सरकार की नजरें और योजनाएं सुदूर ग्रामीण इलाकों तक पहुंच सके । इस सिलसिले में सरकार आपके द्वार में कार्यक्रम के माध्यम से आपकी समस्याओं का निष्पादन किया गया। इस तरह की योजना फिर से शुरू की जाएगी, ताकि जनता के साथ सरकार का जुड़ाव बना रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार एयर कंडीशनर कमरे में बैठकर नहीं, बल्कि जाड़ा, गर्मी और बरसात, कोई भी मौसम हो, फील्ड में काम कर रही है ,ताकि लोगों की परेशानियां और समस्याओं को हम समझ सकें। इतना ही नहीं योजनाएं धरातल पर उतरे जा रही है। सभी वरीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे भ्रमण कर योजनाओं की जमीनी हकीकत की जानकारी लें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश तभी मजबूत होगा जब राज्य मजबूत होगा और राज्य तभी मजबूत होगा जब ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी। इसी बात को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य केंद्र में रखकर योजनाएं बना रही हैं। किसानों, मजदूरों के हित में सरकार काम कर रही है। ग्रामीणों को स्वावलंबी बनाने, उनकी आय में वृद्धि करने, बेहतर शिक्षा, रोजगार उपलब्ध कराने, स्वरोजगार के मौके देने समेत कई सेक्टर में विशेष तौर पर काम कर रही है । ताकि, राज्य और राज्य वासियों को खुशहाल बना सकें

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों के डीसी और एसपी के साथ विकास और विधि व्यवस्था को लेकर मैंने लंबी चर्चा की और अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया गया है कि वे सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाएं और विधि व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सभी समुचित कदम उठाएं। जनता का हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। इस सिलसिले में मुझे ग्रामीणों से कुछ शिकायतें मिल रही है। मैं भूमि अधिग्रहण से प्रभावित होने वालों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनके साथ कोई अन्याय नहीं होगा। उनको उनका हक और अधिकार हर हाल में मिलेगा। इसे लेकर सरकार पूरी तरह संवेदनशील है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 3 अरब 64 करोड़ 34 लाख 68 हज़ार 925 रुपए की लागतवाली 177 योजनाओं की नींव रखी, जबकि 14 करोड़ 6 लाख 741 रुपए की 42 योजनाओं का उद्घाटन किया। वहीं, लाभुकों के बीच 2 करोड़ 81 लाख 15 हज़ार 446 रुपए की परिसंपत्तियों बांटी। इस कार्यक्रम में 11 नवनियुक्तों को मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री सत्यानंद भोक्ता , विधायक श्री किशुन कुमार दास एवं सुश्री अम्बा प्रसाद, जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, मुख्यमंत्री के सचिव श्री विनय कुमार चौबे और चतरा जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

53 के हुए राहुल गांधी, कांग्रेस नेताओं ने दी बधाई,खड़गे बोले- आप सच बोलना जारी रखें

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज यानि 19 जून को अपना 53 वां जन्मदिन मना रहे हैं। राहुल के जन्मदिन पर कई वरिष्ठ नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है। दिल्ली में अक्छउ मुख्यालय के बाहर राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई देने वाले पोस्टर लगाए गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट किया कि राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। संवैधानिक मूल्यों के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता और विपरीत परिस्थितियों में आपका अदम्य साहस सराहनीय है।आप दया और सद्भाव का संदेश फैलाते हुए सत्ता के लिए सच बोलना जारी रखें और लाखों भारतीयों की आवाज बनें। वहीं रणदीप सुरजेवाला ने ट्विटर पर लिखा कि निडरता व साहस से जनता की आवाज़ बनने वाले,हर वर्ग-जाती व समूह को साथ लेकर चलने वाले, हर हाल में सच्चाई व अहिंसा के मार्ग पर चलने वाले हमारे नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल ने ट्वीट किया, राहुल गांधी इस अंधेरे समय में एक प्रकाश स्तंभ हैं,जो एक विकसित,सुरक्षित और शांतिप्रिय भारत का सपना देखते हैं

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

62,787.47+240.36 (0.38%)

निफ्टी

18,593.85+59.75 (0.32%)

पीएम मोदी के अमेरिका दौरे से भारत को होगा फायदा, पाकिस्तान और चीन हुए परेशान

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अमेरिका दौरा 21 जून से शुरू हो रहा है।पीएम मोदी का ये दौरा कई मायनों में काफी अहम माना जा रहा है।भारत और अमेरिका ही नहीं,पूरी दुनिया की नजर इस दौरे पर टिकी है।उधर, पाकिस्तान और चीन के खेमें में हलचल भी है।दोनों देश परेशान नजर आ रहे हैं। खैर,सवाल ये उठता है कि आखिर पीएम मोदी के इस दौरे से भारत को क्या-क्या मिलेगा? पाकिस्तान और चीन मोदी के अमेरिका दौरे से क्यों परेशान है

उल्लेखनीय है कि 21 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह की अगुआई करेंगे।

22 जून को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ पीएम मोदी की उच्च स्तरीय बैठक होगी।

22 जून की शाम को पीएम मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडेन द्वारा उनके सम्मान में आयोजित किए गए राजकीय रात्रिभोज शामिल होंगे।

22 जून को अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे।

23 जून को अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिकन,प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में दोपहर भोज की मेजबानी करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी वाशिंगटन में प्रमुख कंपनियों के सीईओ,पेशेवरों,अन्य हितधारकों के साथ बातचीत करेंगे।

● इस दौरे से भारत को क्या-क्या मिलेगा

इस संबंध में विदेश मामलों के जानकार डॉ. आदित्य पटेल ने विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की ताकत बढ़ेगीदुनिया के बड़े देशों में अभी भारत ही ऐसा देश है,जो पूरी तरह से गुट निरपेक्ष है। मतलब किसी भी गुट में शामिल नहीं है।इसके बावजूद हर गुट का पसंदीदा देश बना हुआ है। भारत के रूस से भी अच्छे रिश्ते हैं और अमेरिका से भी। भारत तेजी से वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। ऐसे में पीएम मोदी राजकीय दौरे पर अमेरिका जा रहे हैं। राजकीय दौरा इसलिए अहम होता है क्योंकि इसका पूरा खर्च मेजबान देश ही करता है। पीएम मोदी 21 जून को योग दिवस के जरिए भारतीय संस्कृति और सभ्यता का प्रसार पूरी दुनिया में करेंगे। इसके बाद वह जो बाइडेन के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में भारत और अमेरिका के बीच कई रणनीतिक साझेदारी भी होगी।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट

राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

कुलपति ने किया बीएड फीस में संशोधन ,बीएड करने वाले छात्र-छात्राओं को लगेगा 1 लाख 50 हजार

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. (डॉ.) विमल प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गयी। जिसमें यह निर्णय लिया गया की सत्र 2023-25 से विश्वविद्यालय के सभी अंगीभूत एवं सम्बद्ध महाविद्यालय से बी.एड. करने वाले छात्र-छात्राओं को सामान रूप से कुल 150,000/- फीस भुगतान करना होगा । यह निर्णय शिक्षकों, विभागाध्यक्षों, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, छात्र प्रतिनिधियों से हुए विमर्श के आलोक में इस बात को ध्यान में रखते हुए लिया गया की राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों के तुलना में सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में फीस कम हैं ऐसे में अगर हमारे यहाँ के छात्र-छात्राएं राज्य के किसी अन्य विश्वविद्यालय में नामांकन लेते हैं तो उसे यहाँ के तुलना में अधिक फीस भुगतान करना पड़ता हैं । इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए आज के बैठक में यह निर्णय लिया गया की सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविधालय का बी.एड. फीस अन्य विश्वविद्यालय के सामान होगा । बैठक में छात्र अधिष्ठाता डॉ. संजय कुमार सिंह, कुलसचिव डॉ. संजय कुमार सिन्हा, कुलाशासक डॉ. काशीनाथ झा, वित्त पदाधिकारी डॉ. राजीव कुमार, बी.एड. समन्वयक डॉ. निरंजन मंडल, विभिन अंगीभूत एवं सम्बद्ध महाविद्यालय के प्राचार्य, राज कुमार झा एवं शम्भू प्रसाद सिंह, आदि उपस्थित थे ।

हूल दिवस के भव्य आयोजन को लेकर विवि में हुई बैठक

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में कुलपति प्रो. (डॉ.) विमल प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में आयोजित बैठक यह निर्णय किया गया की इस बार विश्वविद्यालय में हूल दिवस का आयोजन भव्य तरीके से किया जायेगा । जिसमें सबसे पहले 26 जून को भोगनाडीह जाने वाले पैदल यात्रियों का स्वगत किया जायेगा। 28 जून को विश्वविद्यालय के सभी स्नातकोतर विभागों, अंगीभूत एवं सम्बद्ध महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी और उन सभी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं का नाम विश्वविद्यालय को भेजा जाना हैं। उसके बाद विभिन्न स्नातकोतर विभाग और कॉलेजों से भेजे गए छात्र छात्राओं के बीच 29 जून को विश्विद्यालय स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी तत्पश्चात 30 जून को उन प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया जायेगा। महाविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन के सम्बन्धित में विश्वविद्यालय ने सभी स्नातकोतर विभागों के विभागाध्यक्षों, अंगीभूत एवं सम्बद्ध महाविद्यालय के प्रचार्यों को पत्र भेज दिया है । इस बैठक में विश्विद्यालय कुलसचिव डॉ. संजय सिन्हा, छात्र अधिष्ठाता डॉ. संजय सिंह, सहयक छात्र अधिष्ठाता पूनम हेम्ब्रम आदि उपस्थित थे ।

भीषण गर्मी में बिजली की लचर व्यवस्था से आक्रोशित ग्रामीणों ने किया हंसडीहा चौक को जाम

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जानलेवा गर्मी में बिजली की लचर व्यवस्था से आक्रोशित हंसडीहा के लोगों ने सोमवार को हंसडीहा गांधी चौक को घंटों

जाम कर दिया। जाम लगने से चौंक के चारों तरफ सैकड़ो वाहनों की लम्बी लाइन लग गई। लोगों ने बताया कि बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता के शीघ्र सुचारू बिजली आपूर्ति पर जाम हटा लिया गया।बताया कि कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल दुमका अमिताभ बच्चन सोरेन ने दूरभाष से जानकारी दी कि सभी समस्याओं से जल्द से जल्द निदान दिलाया जायेगा।मामले में ग्रामीणों ने कहा कि अगर 24 घंटे के अंदर समस्याओं का निपटारा नहीं किया गया तो,फिर से हम सभी सड़क पर उतरेंगे और समस्या के निदान तक रोड जाम कर दिया जायेगा।

हेमंत सोरेन की सरकार आदिवासी ही नहीं बल्कि महिला, युवा एवं दलित विरोधी है : डॉ लुईस मरांडी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखंड सरकार की पूर्व मंत्री व भाजपा नेत्री डॉ लुईस मरांडी ने कहा है कि वर्तमान हेमंत सोरेन की सरकार आदिवासी ही नहीं बल्कि महिला , युवा ओर दलित विरोधी है। पूर्व मंत्री ने सोमवार को कचहरी परिसर के समीप एक निजी होटल में केन्द्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के मौके पर पत्रकारों को संबोधित कर रही थी। डॉ मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य की जनता से वादे किए उनमें से एक भी पूरा नहीं किया उन्होंने जनता को ठगा है। डॉ मरांडी ने कहा कि उनके कार्यकाल में मेडिकल कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय, झारखंड का सबसे बड़ा पुल जो कि कुमड़ाबाद

मकरमपुर पुल कन्वेंशन सेंटर, तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र, सिद्धू कान्हू इंडोर स्टेडियम का जीर्णोद्धार ईवीएम जनरेटर की व्यवस्था। उन्होंने कहा कि मॉडल कॉलेज विजयपुर नर्सिंग कॉलेज गांदो, फार्मासिस्ट कॉलेज मसलिया, कल्याण अस्पताल गांदो, आईटीआई सापचला, एकलव्य विद्यालय दलाही हवाई अड्डा का विस्तारीकरण,ट्राईबल म्यूजियम एंड मल्टीपरपज हॉल, मदनपुर पावर ग्रिड का निर्माण एवं लोकार्पण ए टीम ग्राउंड मैं दीवा रात्रि मैच के ड्डआयोजन हेतु फ्लडलाइट का अधिष्ठापन शिव पहाड़ का सुंदरीकर हिजला जलापूर्ति योजना का जीर्णोद्धार कार्य करने के साथ रिंग रोड का निर्माण शहर के अंदर टावर चौक से टाटा शोरूम तक फोरलेन जीतपुर में आवासीय विद्यालय ऊपर मंजारा में हॉस्टल का निर्माण शिव पहाड़ में पहाड़िया हॉस्टल का निर्माण, महिला पॉलिटेक्निक तेलियाचक ,आवासीय विद्यालय मसलिया एस पी कॉलेज में कॉमन रूम का निर्माण विश्वविद्यालय को बस उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि दुमका एवं मसलिया में नए ब्लाक भवन का निर्माण, शहर के बीच बड़े नाले का निर्माण, दुमका में कल्याण गुरुकुल, कौशल सेंटर की स्थापना स्विमिंग पुल का निर्माण भाजपा सरकार की देन है। उन्होंने कहा कि आर्ट कल्चर एंड मल्टीपरपस हॉल का शिलान्यास के खादी पार्क का निर्माण नेशनल स्कूल के पीछे उन्होंने कराया। प्लस टू नेशनल स्कूल में भवन सुदृढ़ीकरण का कार्य पूर्ण । उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने ऐसा कोई भी काम नहीं किया जिसे जनता याद रख सके। उन्होंने कहा कि जिस आदिवासी समाज का वह हितैषी बनने का वह दंभ भरते हैं उस समाज में महिलाओं पर अत्याचार को रोकने में वह विफल रहे। उन्होंने दुःख प्रकट करते हुए कहा कि दुर्भाग्य तो देखिए जो योजनाएं शुरू की गई हेमंत सोरेन सरकार ने उसे भी आगे बढ़ने नहीं दिया। राज्य में हत्या लूट और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है पर सरकार आंखों पर पट्टी बांध लिया है। मौके पर जिलाध्यक्ष पारितोष सोरेन, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज कुमार साह एवं मीडिया प्रभारी पिंटू अग्रवाल उपस्थित थे।

सभी छीजित बच्चों को स्कूल में लाना सुनिश्चित करें: उपायुक्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। इंडोर स्टेडियम में जिला परिषद् अध्यक्ष जोयस बेसरा, उपायुक्त, प्रशिक्षु आई.ए.एस., जिला शिक्षा पदाधिकारी, तथा जिला सामाज कल्याण पदाधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर जिला स्तरीय स्कूल रूआर 2023 कार्यक्रम का उद्घाटन किया। जिला परिषद् अध्यक्ष जोयस बेसरा ने ग्राम सामाज शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ापन और जागरूकता की कमी को देखते हुए स्कूल रुआर को प्रासंगिक बताया तथा स्कूल में बच्चों का में नामांकन एवं ठहराव के लिए सबको मिलकर प्रयास करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में उपायुक्त ने कहा कि जबतक हम जनता के लिए काम करते है तभी तक हमारी उपयोगिता है। उन्होंने शिक्षा विभाग से जुड़े सभी अधिकारियों

एवं कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपने प्रयास को सीमित न करें। हर छीजित बच्चों तक अपनी पहुंच बनाये तथा उसे स्कूल में वापस लाना सुनिश्चित करें। इस कार्य के लिए उन्होंने आंगनबाड़ी सेविकाओं जे एस एल पी एस तथा साक्षरता कर्मियों की सेवा लेने का निदेश दिया। उन्होंने प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों को निदेश दिया कि प्रखण्डों में कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करें तथा अंतर विभागीय सहयोग सुनिश्चित करें। जिला शिक्षा पदाधिकारी, दुमका ने स्वागत भाषण देते हुए कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी सुमंत कुमार ने माहाव्यापी कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी मनोज कुमार अम्बष्ठ ने सभी प्रखण्डों को निदेश दिया गया कि कार्यक्रम की जो रूपरेखा राज्य द्वारा निर्धारित किया गया है उसका अक्षरशः अनुपालन हो। कार्यक्रम का संचालन अशोक सिंह ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन रविन्द्र कुमार ने किया। इस कार्यक्रम में सभी प्रखण्डों के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं संकुल साधन सेवी उपस्थित थे।

आधार सीडिंग और बीएलओ एप्प के संबंध में समीक्षा बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) -सह- उपायुक्त, दुमका के निदेशानुसार सदर प्रखण्ड के सभागार में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 हेतु प्रपत्र - 6, 7, 8, 6बी आधार सीडिंग और बीएलओ एप्प के संबंध में समीक्षा बैठक किया गया। समीक्षा के दौरान सभी बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों को मुख्य रूप से बताया गया कि बीएलओ एप्प को इस्टॉल कर प्रपत्र - 6, 7, 8, 6बी आदि कार्यों को ससमय पूर्ण करने हेतु निदेश दिया गया। साथ ही सभी बीएलओ को बीएलओ एप्प का प्रशिक्षण भी दिया गया। जिन बीएलओ का मोबाईल नम्बर ईआरओ नेट में पंजीकरण नहीं है उन सभी बीएलओ का ईआरओ नेट में पंजीकरण जिला से आये हुए कम्प्यूटर ऑपरेटर द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त प्रपत्र - 6, 7, 8 का चेकलिस्ट को ससमय फिल्ड वेरिफिकेशन कर कार्यालय में सत्यापित प्रति जमा करने का निदेश दिया गया । की जानकारी दिया गया, जिसके तहत 01 जून 2023 से 16 अक्टूबर 2023 तक प्री-एक्टीवीटीज कार्यक्रम किया जायेगा जिसके तहत 21 जुलाई 2023 से 21.08.2023 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन किया जाना है। इसके अतिरिक्त ब्लैक एण्ड वाईट फोटो तथा खराब गुणवत्ता वाली फोटो के स्थान पर अद्यतन रंगीन फोटो प्रपत्र-8 के माध्यम से बदलने का निदेश दिया गया। आज की बैठक में कुछ बीएलओ अनुपस्थित पाये गए है जिनके विरूद्ध कारवाई के लिए निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी -सह- अनुमंडल पदाधिकारी, दुमका को अनुशंसा किया जा रहा है।

इस अवसर पर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी - सह - अनुमंडल पदाधिकारी तथा जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी, दुमका ने भी सभी बीएलओ मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 से संबंधित जानकारी दिया गया ।

प्रीतम को हंसडीहा तो अरविंद को दी गई बढ़ेत पंचायत की कमान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पिछले दिनों बढ़ेत पंचायत के मुखिया सुरेश मुर्मू की हत्या कर दी गई थी और सुरेश मुर्मू की हत्या की साज़शि के आरोप में हंसडीहा पंचायत की मुखिया आशा हेम्ब्रम इन दिनों जेल में है,जिसके कारण दोनों पंचायतों का कार्य बाधित हो रहा था, इन्ही सभी कारणों को देखते हुए बढ़ेत एवं हंसडीहा पंचायत का कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके इसके लिए दोनों पंचायतों के उप मुखिया को मुखिया की शपथ दिलाई गई।

हंसडीहा के उप मुखिया प्रीतम कुमार और बढ़ेत पंचायत के उप मुखिया अरविंद कुमार मांझी को मुखिया पद की शपथ दिलाई गई है। बताते चलें कि प्रीतम मध्यम वर्गीय परिवार से आते है, प्रीतम जनता के चहेते प्रतिनिधि है। सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी दयानन्द जायसवाल के द्वारा प्रखंड सभागार सरैयाहाट में दोनो को मुखिया पद की शपथ दिलायी गयी।पदभार मिलने से पंचायत में खुशी का माहौल है। अवसर पर जनप्रतिनिधि,जिला परिषद सदस्य राधिका देवी एवं प्रखंड कर्मी उपस्थित रहे। राधिका देवी ने दोनों ही मुखिया को माला पहनाकर कुशलता पूर्वक कार्य करने और जनता के साथ अच्छा संबंध ×कायम करने की सलाह दी। दोनों पंचायतों की जनता ने गुलाल लगाकर दोनों को बधाई दी और खुशी जाहिर की।

सेंगेल अभियान की बैठक में एलान, भाजपा यदि 2023 में सरना धर्म कोड को मान्यता देगी तो भारत के आदिवासी 2024 के चुनाव में भाजपा को समर्थन देंगे

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से आगामी तीस जून को कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में आयोजित विश्व सरना धर्म कोड जनसभा की सफलता को लेक- र आज सोमवार को रानीश्वर प्रखण्ड के दक्षिणजोल पंचायत के दक्षिणजोल गांव में शिव बास्की की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन गया।मौके पर बार्नाड हांसदा ने कहा कि भारत के प्रकृति पूजक लगभग 10 करोड़ आदिवासियों को धार्मिक गुलामी की जंजीरों में जकड़े रखने के लिए सभी राष्ट्रीय पार्टियां दोषी है। आजादी के 75 वर्षों के बावजूद

आदिवासियों के संवैधानिक मौलिक अधिकार अनुच्छेद- 25 का अबतक गला घोंटा जा रहा है। प्रकृति पूजक आदिवासियों के आजादी के लिए अब राष्ट्रीय आंदोलन की जरूरत है। आदिवासी सेंगेल अभियान ने 15 जून 2023 को भारत बंद कर 5 प्रदे- शों के लगभग 50 जगहों पर रेल-रोड चक्का जाम कर इसे सफल बनाया है,आगे बढ़ाया है। अब संथाल हूल (क्रांति) दिवस 30 जून 2023 को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में ₹ विश्व सरना धर्म कोड जनसभा रका आयोजन कर अपनी धार्मिक आजादी की आवाज बुलंद करेंगे। जरूरत पड़ेगी तो पहली सितंबर 2023 से अनिश्चितकालीन रेल-रोड चक्का जाम करेंगे। सरना धर्म अर्थात प्रकृति धर्म की मान्यता भारत के आदिवासियों के अस्तित्व,पहचान और हिस्सेदारी के लिए अनिवार्य है। प्रकृति धर्म को छोड़ अन्य धर्मों को अपनाने वालों का डीलिस्टिंग करना अनिवार्य है। प्रकृति धर्म के साथ जुड़े आदिवासी समाज को बर्बाद करने के लिए अन्य सभी धर्म,पार्टी और जन संगठन आदि दोषी हैं। जो कि आदिवासी समाज की सुरक्षा और संवर्धन के लिए आदिवासियों के हासा,भाषा, जाति,धर्म,रोजगार आदि को बचाने की जगह उल्टा काम कर आदिवासी समाज को मारने का काम कर रहे हैं। भाजपा द्वारा आदिवासियों को बनवासी कहना और जबरन हिंदू बनाने की कोशिश भी गलत है। परंतु भाजपा यदि 2023 में सरना धर्म कोड को मान्यता देगी तो भारत के आदिवासी 2024 के चुनाव में भाजपा को समर्थन करेंगे।सेंगेल करो या मरो की तर्ज पर 2023 में सरना धर्म कोड लेने के लिए कटिबद्ध है। 30 जून 23 का कोलकाता विश्व सरना धर्म कोड जनसभा भारत के अदिवासियों के धार्मिक आज़ादी आंदोलन का राष्ट्रीय आंदोलन बनकर उभरेगा जो सभी राजनीतिक दलों को मजबूर कर सकता है। 2011 की जनगणना में 50 लाख अदिवासियों ने सरना धर्म लिखाया था जबकि जैनों की संख्या 44 लाख थी। आदिवासियों के साथ अब तक यह धार्मिक गुलामी और अन्याय हो रहा हैं ।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

उपायुक्त ने विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर दिया पूर्ण करने का निर्देश

पोटो हो खेल मैदान में सूचना बोर्ड लगाने का दिया गया निर्देश कहा ऐसा नहीं करने पर लगेगा 5000 का जुर्माना

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़: सोमवार को उपायुक्त पाकुड़ वरूण रंजन ने समाहरणालय सभागार में सभी विभागों के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। सर्वप्रथम ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत मनरेगा सभी गांवों में 5 योजना चलाने का सख्त निर्देश दिया। लंबित पड़े योजनाओं को अभियान के तहत एक सप्ताह में पूर्ण करने हेतु प्रखंडवार लक्ष्य निर्धारित किया गया जिसमें अमड़ापाड़ा को 1500, हिरणपुर, पाकुड़िया को 2000, लिट्टीपाड़ा, महेशपुर को 3000 तथा महेशपुर प्रखंड को 4000 योजना पूर्ण करने को कहा गया। सभी पंचायतों को माह जून तक का मानव दिवस सृजन करने का लक्ष्य प्राप्ति करने हेतु दैनिक प्रगति प्रतिवेदन साझा करने हेतु कहा गया ताकि निम्न प्रगति वाले पंचायत के रोजगार सेवक/पंचायत सचिव पर कार्रवाई की जा सके। साथ ही अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया। लंबित पोटो हो खेल मैदान को 30 जून तक पूर्ण करते हुए सभी पंचायतों को 1-1 खेल मैदान की स्वीकृति करने हेतु आवशयक निर्देश दिया गया। बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना के तहत कृषि विभाग से समन्वय स्थापित कर कृषक वर्ग को ही योजना का लाभ देने का स्पष्ट निर्देश दिया गया। सभी आवास योजना में कार्यरत मजदूर, मिस्त्री का रिपोर्ट प्राप्त करना तथा अधिक से अधिक संख्या में आवास पूर्ण कराना। खराब प्रदर्शन वाले पंचायत सचिव का बढ़ोतरी वेतन पर रोक के साथ अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। जेएसएलपीएस के तहत नये समूह का बैंक लिंकेज, फूलो - झानो आशीर्वाद योजना से छूटे हुए 28 लाभुकों को पुनः मुख्यधारा से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। सभी पंचायतों को क्रियाशील बनाने हेतु भवन, बिजली, वैकल्पिक बिजली की व्यवस्था, प्रज्ञा केंद्र का संचालन करने हेतु सभी बीडीओ को निर्देश दिया गया। एलडीएम को पंचायत सचिवालय में बैंक/डाकघर का सीएसपी संचालन का जिम्मा दिया गया ताकि ग्रामीण जनता को पंचायत सचिवालय में समुचित लाभ मिल सके। अंततः पंचायत अंतर्गत 15वें वित्त की राशि 10 प्रतिशत से कम व्यय करने वाले मुखिया पर स्पष्टीकरण तथा वित्तीय अधिकार से वंचित करने की बात कही गई। शत-प्रतिशत दिव्यांग लाभुकों को पेंशन से आच्छादित करने हेतु प्रमाणपत्र जारी करने के लिए सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया। आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य मिशन की रिक्तियों पर नियुक्ति की भी चर्चा हुई। मौके पर उप विकास आयुक्त शाहिद अख्तर, अपर समाहर्ता मंजू रानी स्वासी, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, डीएसओ संजय कुमार दास, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी सभी अंचलाधिकारी इत्यादि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

चापा जंगल के समीप से 16 बोटा(पीस) सखुआ लकड़ी को वन विभाग ने किया जप्त

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़): (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने सोमवार रात्रि जामजोड़ी पंचायत के चापा जंगल के समीप से 16 बोटा सखुआ का लकड़ी जप्त किया है।दो वन माफिया के खिलाप वन क्षेत्र कार्यालय हिरणपुर में वन रक्षी अनुपम कुमार यादव ने वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि कुजबोना के समीप चापा जंगल के समीप वन माफिया सखुआ का पेड़ काटकर उसका बोटा को समतल भूभाग में रखा है। जिसे रात्रि के अंधेरे में पश्चिम बंगाल के आरा मिलो में पहुचाकर लाखो रुपये कमाते। ग्रामीणों ने वन माफिया के मन सूबे पर पानी फेर दिया। ग्रामीणों ने डीएफओ को सूचना देते ही उन्होंने फोरेस्टर बबलू देहरी के नेतृत्व में टीम बनाकर छापा मारी के लिए भेजा। टीम के सदस्य अनुपम कुमार यादव, स्टीफन हेम्ब्रम व नीलू निकोलस समेत आधा दर्जन वन रक्षी ने रात के अंधेरे में छापा कर चापा जंगल से 16 बोटा सखुआ का लकड़ी जपत किया और दो वन माि×फया पर मामला दर्ज किया है।

एसडीओ ने बीएलओ सुपरवाइजर के साथ किया बैठक

पाकुड़: (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। फोटोयुक्त मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी ने 04 लिट्टीपाड़ा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी बीएलओ सुपरवाइजर के साथ की बैठक। अनुमंडल कार्यालय में सोमवार को मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 को लेकर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह एसडीओ हरिवंश पंडित की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में 04 लिट्टीपाड़ा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी बीएलओ, सुपरवाइजर के साथ बैठक की गई। बैठक में उक्त कार्यक्रम पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया पुनरीक्षण कार्यक्रम में मतदाता का नाम जोड़ने मृतक लोगों का नाम हटाने पलायन कर गए लोगों का नाम हटाने और समस्त त्रुटियों को दुरुस्त करने के संबंध में चर्चा की गई।

एक हाथ में माला और एक हाथ में भाला के उद्घोष के साथ तीन दिवसीय भागीरथवंशी आत्मा शांति महायज्ञ संपन्न

- **जमशेदपुर के लोगों में सनातन धर्म के प्रति जबर्दस्त झुकाव : स्वामी सीताराम दास**

जमशेदपुर: (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । एक हाथ में माला और एक हाथ में भाला के उद्घोष के साथ स्वामी सीताराम दास ने तीन दिवसीय भागीरथवंशी आत्मा शांति महायज्ञ के समापन की घोषणा किये। उन्होंने टाटानगर वासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सनातन धर्म के प्रति यहां के लोगों में सजगता दिखाई पड़ती है। उन्होंने देशभर के लोगों को धर्म , आस्था और गीता के ज्ञान के प्रति संवेदनशील रहने की अपील की। यज्ञ के अंतिम दिन हवन , पूजन एवं गीता पाठ हुआ। बाद में विशाला भंड़ारा में हजारों लोग प्रसाद ग्रहण किये।

कार्यक्रम के दौरान सांसद विद्युतवरण महतो , अमरप्रीत सिंह काले , लॉग बस एसोसिएशन के अध्यक्ष उदय शर्मा , यज्ञ समिति के संरक्षक हरि बल्लभ सिंह आरसी, ए.के. श्रीवास्तव , सुधीर कुमार, अध्यक्ष रमेश कुमार , महासचिव शिवपूजन सिंह , मिथिलेश प्रसाद श्रीवास्तव ,श्रीमती अनीता सिंह , कन्हैया दुबे , दीपक कुमार , तुलसी भवन के मानद महासचिव प्रसन्नजित तिवारी , दिनेश कुमार सिंह , सतीश सिंह , हंसराज मिश्रा, जमुना तिवारी व्यथित , मंगल सांडिल , डी.डी.त्रीपाठी, रविन्द्र प्रताप सिंह, मनोज मिश्र, रघुनाथ प्रसाद , दिनेश सिंह , उमाशंकर तिवारी ,श्रीमती मुनमुन चक्रवर्ती, श्रीमती डालिया भट्टाचार्यी समेत सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

टाटा स्टील डाउन स्ट्रीम प्रोडक्ट लिमिटेड की मान्यता प्राप्त यूनियन की वार्षिक आमसभा संपन्न

जमशेदपुर । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। टाटा स्टील डाउनस्ट्रीम प्रोडक्ट लिमिटेड कंपनी की मान्यता प्राप्त यूनियन ने बारा प्लांट के कैंटीन में अपनी वार्षिक आमसभा की बैठक यूनियन अध्यक्ष राकेश्वर पांडे की अध्यक्षता में संपन्न की। अध्यक्ष राकेश्वर पांडे ने कहां की कंपनी के नाम परिवर्तित होने के पश्चात यूनियन को भी अपने नाम में परिवर्तन करना है, जिसको लेकर कागजी प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है। इसलिए यूनियन के संविधान में आंशिक संशोधन भी आवशयक है। आमसभा में उपस्थित सभी कर्मचारियों ने संशोधन की स्वीकृति प्रदान की। राकेश्वर पांडे ने कहां की यूनियन मजदूरों के हितों को लेकर दृढ़ संकल्पित है। आने वाले अक्टूबर माह में ग्रेड रिवीजन भी देय है और यूनियन ने चार्टर ऑफ़ डिमांड भी प्रबंधन को पूर्व में ही सौंप दिया है। हम सभी लोग चाहते है की समय से ग्रेड रिवीजन संपन्न है।

कंपनी परिसर में सुरक्षित वातावरण में कार्य करे और सड़क सुरक्षा का भी ख्याल रखे। यूनियन महामंत्री अमन सिंह ने यूनियन का वार्षिक प्रतिवेदन सभी के समक्ष रखने का कार्य किया और कोषाध्यक्ष रमेश चौधरी ने आय व्यय का विवरण रखा। बैठक का संचालन दिनेश कुमार ने किया और धन्यवाद ज्ञापन त्रिदेव सिंह ने किया। बैठक में मुख्यरूप से यूनियन के संजीव सिंह, सचिदानंद, शशिवीर राणा, अनीश झा, आर रवि, रंजन मिश्रा, राकेश कुमार, रमेश चौधरी, प्रमोद उपाध्याय, बी डी सिंह, मनोज सिंह, हरी शंकर प्रसाद और सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

डीसी ने विभिन्न योजनाओं की समीक्षा क्रम में 15वें वित्त से कम राशि खर्च करने के मामले में किया नाराजगी व्यक्त

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़: उपायुक्त वरुण रंजन ने आज समाहरणालय सभागार में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा क्रम में 15वें वित्त से कम राशि खर्च करने के मामले में नाराजगी व्यक्त किया। और उप विकास आयुक्त को स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन- जिन पंचायतों ने 10% से कम खर्च किया है उन पंचायतों के मुखिया को स्पष्टीकरण करें। पंचायत समिति में 10% से कम खर्च करने वाले प्रमुख एवं बीडीओ को भी स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया गया जो निम्न है पाकुड़िया, महेशपुर एवं हिरणपुर

- **10% से कम खर्च करने वाले पंचायत को चिन्हित कर स्पष्टीकरण किया गया जो निम्न है।**

प्रखंड अमड़ापाड़ा के पंचायत डूमरचीर एवं पाडेरकोला, प्रखंड हिरणपुर के पंचायत बरमसिया, घाघरजानी, मंझलाडीह, मोहनपुर एवं मुर्गाडंगा। प्रखंड लिट्टीपाड़ा के पंचायत जामजोरी, प्रखंड महेशपुर के पंचायत अश्वगंधा, बलियाडांगा, बड़कियारी, बासकेंद्री, चांडालमारा, जयनगर, जयपुरबरंगा, पोखरिया, रोलाग्राम, सीतारामपुर एवं तेलियापोखर। प्रखंड पाकुड़ के पंचायत जमशेदपुर, किस्मतकदम सार, कुमारपुर, नवादा, रघुनंदनपुर उर्फ चांचकी एवं संग्रामपुर, प्रखंड पाकुड़िया के पंचायत डोमनगाड़िया, गनपुरा, मोगलाबांध एवं पाकुड़िया इन सभी मुखिया को स्पष्टीकरण पूछा गया।

अस्पतालों में फल वितरित कर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मनाया राहुल गाँधीं का जन्मदिन

हिरणपुर(पाकुड़): (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मनोवर आलम के नेतृत्व में हिरणपुर अस्पताल के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर मरीजों को फल वितरित कर कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राहुल गांधी का 53 वां जन्मदिन सोमवार को कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मनाया। साथ ही कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के दीर्घायु की कामना की। मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मनोबर आलम ने कहा कि आज का दिन हम सभी कांग्रेसियों के लिए बड़े ही महत्व का दिन है, उन्होंने कहा आज से एक सप्ताह तक हिरणपुर के कांग्रेसी सेवा सप्ताह के रूप में मनाएगी और जिसे जो सेवा की जरूरत पड़ेगी उसको कांग्रेसी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी का यह इतिहास रहा है कि जब-जब भी पार्टी का बुरा दिन आया तब-तब पार्टी ने दो गुना उत्साह से वापसी की है। आज हम राहुल और सोनिया गांधी के नेतृत्व में सभी कार्यक्रता काम करने का संकल्प लेते हैं। कहे कि आज हम लोगों को राहुल और सोनिया में विश्वास रखते हुए संकल्प लेकर पूरी क्षमता से काम करने की जरूरत है।कार्यक्रम में जिला सचिव राष्का हेम्ब्रम, सुकुमार सेन, अमृत ठाकुर मोजामिल अंसारी, वसीम अंसारी सुनील हेम्ब्रम तथा प्रखण्ड चिकित्सा प्रभारी डॉ सुनील कुमार एवं महरूफ मौजूद थे.

दुर्घटना: पिकअप वाहन पलटने से चालक की मौत, एक मजदूर घायल

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़): साहिबगंज गोविंदपुर एक्सप्रेस हाइवे पर सोमवार प्रातः बरमसिया पुलिया के समीप एक पिकअप (जेएच02बीजे 0191) वाहन पलटने से चालक अनुज कुमार की मौत दुर्घटना स्थल पर ही हो गयी। जबकि सह चालक असगर अली (34वर्ष) घायल है. जिसका इलाज सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिकप वाहन से पश्चिम बंगाल के मालदा से आम लेक- र हजारीबाग गया था। जहा आम उतार कर पुनः आम लेने मालदा की ओर जा रहा था कि लिट्टीपाड़ा के समीप बरमसिया टर्निंग में वाहन काफी तेज गति में चल रहा था जिसे चालक ने नियंत्रण नही कर पाया और वाहन पुलिया के नीचे 30 फिट खाई में पलटी मारते हुए गिर गया। चालक वाहन के नीचे दब जाने की वजह घटना स्थल पर ही मौत हो गयी। जबकि सह चालक को वाहन के अंदर से ग्रामीणों ने निकाला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुँचकर घायल असगर अली को अस्पताल पहुचाया।एसआई मिथुन कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्डम के लिए पाकुड सदर अस्पताल भेज दिया गया है और उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया। जबकि वाहन को खाई से निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

बाल श्रम उन्मूलन को लेकर 1 से 30 जून तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है

पाकुड़: (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। जिले में बाल श्रम उन्मूलन हेतु 01 जून से 30 जून 2023 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है. पाकुड़ जिला में बाल श्रम उन्मूलन के तहत सोमवार को बैंक कॉलोनी, पाकुड से भवन निर्माण (बाउंड्री वॉल) कार्य में संलग्न 02 बाल श्रमिकों को धावा दल के द्वारा विमुक्त कराया गया। उक्त निर्माण में कार्य करा रहें नियोजक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान में धावा दल में जिले के श्रम अधीक्षक रमेश प्रसाद सिंह, श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी गिरीश चन्द्र प्रसाद, कृष्ण कुमार यादव कैलाश सत्यार्थी फाउण्डेशन के संजय साहा एवं चाइल्डलाइन से आरती देवी शामिल थी।

बैक टू स्कूल के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जिले के 25 हजार बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का लिया संकल्प

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़: डायट भवन सभागार में सोमवार को स्कूल रुआर(बैक टू स्कूल) कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य रूप से जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनी देवी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन एवं सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव शामिल हुए। कार्यशाला में बताया गया कि जिले में 3 से 18 आयु वर्ग के लगभग 25 हजार बच्चों को चिन्हित किया गया है। वैसे सभी बच्चों को जोड़ने के लिए है स्कूल रुआर कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि वे बच्चे जो विद्यालय छोड़ चुके है, उन्हें वापस लाने एवं उन्हें शिक्षित करना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि रुआर का मतलब वापस आओ होता है। विद्यालय में अनामांकित 3 से 18 आयु वर्ग के सभी बच्चों को हमे विद्यालय में वापस लाना है। इसके अलावा कक्षा 1 से 11 में नामांकित सभी बच्चों को अगली कक्षा में नामांकन सुनिश्चित कराना है। वहीं नामांकित सभी बच्चों का विद्यालय में उपस्थिति भी सुनिश्चित कराना है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम 22 जून से लेकर 15 जुलाई तक चलाया जाएगा। जिसमें विद्यालय के शिक्षक 22 से 30 जून तक बाल पंजी का अद्यतीकरण व विद्यालय से बाहर के बच्चों को सूचीबद्ध करना है। वही शिक्षा विभाग के सभी शिक्षक कर्मी एवं पदाधिकारी को स्कूल रूआर के तहत कार्य योजना को पूर्ण करना है। कहा कि जिले के उपायुक्त जिले को शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ाने को लेकर लगातार प्रयासरत है। उनके द्वारा शिक्षा विभाग को समय-समय पर आवशयक दिशा निर्देश दिया जा रहा है। उन्होंने इस जिम्मेवारियों के निर्वहन करने का निर्देश दिया है। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन ने कहा कि हमारी नैतिक जिम्मेदारी है, की एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए। सरकार सभी बच्चों को शिक्षित करना चाहती है। ताकि बच्चे शिक्षित हो कर समाज व देश के विकास में अग्रसर हो सके। सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव ने कहा कि बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए सभी जनप्रतिनिधि कृतसंकल्पित है। शिक्षा विभाग के साथ साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर सभी संकुल, प्रखंड साधन सेवी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, प्र-खंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी, समग्र शिक्षा पाकुड़ के सभी पदाधिकारी मौजूद थे।

- **उपायुक्त ने बैक टू स्कूल कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिया निर्देश**

ग्रामीणों ने नाबालिग प्रेमी जोड़े का करा दिया बाल विवाह

समिति के निर्देश पर जरमुण्डी पुलिस ने दोनों को किया प्रस्तुत

सीडब्ल्यूसी ने किशोर व किशोरी को अलग-अलग बालगृह में भेजा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जिले के जरमुण्डी थाना क्षेत्र की नाबालिग किशोरी से सरैयाहाट के नाबालिग किशोर की ग्रामीणों द्वारा मंदिर में बाल विवाह कराने का एक मामला बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष आया है। चाइल्डलाइल दुमका के द्वारा जरमुण्डी थाना क्षेत्र में दो नाबालिगों का बाल विवाह करवाये जाने की रिपोर्ट जरमुण्डी बीडीओ सह बाल विवाह निषेध पदाधिकारी को दी गयी थी जिसकी प्रतिलिपि सीडब्ल्यूसी को प्रेषित किया गया था। समिति के निर्देश पर जरमुण्डी थाना पुलिस ने सोमवार को 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी और 17 वर्षीय किशोर को सीडब्ल्यूसी के बेंच ऑफ मजिस्ट्रेट

के समक्ष प्रस्तुत किया है। किशोरी लाल साड़ी में मांग से नाक तक सिंदूर लगाये और किशोर दुल्हे के वेश में समिति के समक्ष प्रस्तुत हुए। अपने आवेदन में जरमुण्डी पुलिस ने बताया है कि दोनों नाबालिग ने प्रेम विवाह कर लिया है। सदस्य रंजन कुमार सिन्हा, डा राज कुमार उपाध्याय एवं नूतन बाला ने इस मामले की सुनवायी करते हुए दोनों का बयान दर्ज किया। किशोरी ने अपने बयान में बताया कि उसने 8वीं तक पढ़ाई की है। चार भाई-बहनों में से वह सबसे बड़ी है। किशोर उसके फुआ के घर के बगल में रहता है जहां दोनों की दोस्ती हो गयी। दोनों आपस में मोबाईल पर बात किया करते थे। उसकी मां को इस संबंध के बारे में जानकारी नहीं थी। वह पिता के मोबाइल से फोन करती थी पर पिता ने उसे कभी नहीं टोका। छह माह पूर्व किशोर ने फोन पर ही उसे शादी का प्रस्ताव दिया था। उसकी मां ने भी सहमति दे दी। उसे नहीं पता था कि 18 वर्ष से पूर्व वह कानूनन शादी नहीं कर सकती है। किशोर उसके घर पर आया तो उसकी मां मौजूद नहीं थी। 16.06.23 को उसने शादी के लिए लाल रंग की साड़ी पहनी और उसके साथ निकल गयी। गांव वालों ने दोनों को देख लिया और हल्ला कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने उसकी सहमति से किशोर से एक मंदिर में उसकी शादी करवा दी। दोनों पति-पत्नी के रूप में रहने लगे। उसके पिता ने पुलिस में इसकी शिकायत कर दी जिसके बाद पुलिस दोनों को थाना ले गयी और फिर सीडब्ल्यूसी ले आयी। किशोर और किशोरी दोनों में से किसी के भी माता-पिता या अभिभावक सोमवार को समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। लिहाजा समिति ने किशोरी को धधकिया स्थित बालगृह (बालिका) और किशोर को श्री अमड़ा स्थित बालगृह (बालक) में आवासित कर दिया है। इस मामले में समिति को जरमुण्डी बीडीओ सह बाल विवाह निषेध पदाधिकारी के रिपोर्ट का इंतजार है।

डीडीसी ने किया विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उप विकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा प्रखण्ड विकास कार्यालय, मसलिया के सभागार में विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा की गई। मनरेगा अंतर्गत मानव दिवस की समीक्षा के क्रम में पंचायत-पेटसार, चमराबहियार और चोरखेदा के रोजगार सेवक को कम प्रगति के कारण कारण पृच्छा करने का निदेश दिया गया। इसी प्रकार प्रति ग्राम औसत क्रियान्वित योजनाओं, पोटो हो खेल विकास योजना, बिरसा सिंचाई कूप, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण/ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना, 15 वीं वित्त आयोग आदि की समीक्षा की गई। समीक्षा उपरान्त पंचायत-सहारा,राजा सिमरिया, भोंडाबाद, झनकपुर, जोंका, पहरि-डीह और सिंहनी के रोजगार सेवक तथा पेटसार एवं नोनीहाट के पंचायत सचिव को अपेक्षित प्रगति नहीं होने के आलोक में कारण पृच्छा करने का निदेश दिया। योजना निरीक्षण के क्रम में योजना स्थल पर योजना पट्ट नही होने के कारण पंचायत-चमराबहियार के रोजगार सेवक पर आर्थिक दण्ड लगाने के निदेश दिया गया।

सभी पंचायत सेवकों को निदेश दिया गया कि सभी जल स्रोतों के पास अभियान मुद्रा में सुजलाम 3.0, 15वीं वित्त आयोग मद एवं मनरेगा योजना अंतर्गत सोखूता गड्ढा का निर्माण करना सुनिश्चित किया जाय। समीक्षा बैठक में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, जरमुंडी, अंचल अधिकारी, जरमुंडी एवं प्रखण्ड स्तरीय अन्य पदाधिकारी/कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

एनडीपीएस एक्ट के नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। सरैयाहाट थाना कांड संख्या 25/23 दिनांक 24/03/2023 धारा 20(बी)(II)(बी) एनडीपीएस एक्ट के नामजद प्राथमिकी अभियुक्त (वारन्टी) बाबूलाल मंडल पिता महेश्वर मंडल ग्राम सरैया बस्ती थाना सरैयाहाट को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत में

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। सरैयाहाट थाना कांड संख्या 43/23 दिनांक 06/06/2023 धारा 302 भा0द0वि0 के वादि सह अप्राथिमिकी अभियुक्त संजय ठाकुर पिता स्व0 दुखहरण ठाकुर ग्राम सियाखोर थाना सरैयाहाट को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

सिदो कान्हु मुर्मू विवि में मनाया जाएगा योग दिवस

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 को लेकर देश भर में जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। उक्त आलोक में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन (भाग-1) में 21 जून को प्रातः 6 बजे योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ) विमल प्रसाद सिंह, कुलसचिव डॉ. संजय सिन्हा समेत विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारी, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी पदाधिकारी अपने स्वयंसवेकों के साथ उपस्थित रहेंगे। इसकी जानकारी वि वि के जनसंपर्क पदाधिकारी दीपक कुमार दास ने दी।

प्रखंड स्तरीय चैम्बर ऑफ फार्मर्स का गठन,मनोज मंडल चुने गए चैम्बर ऑफ फार्मर्स के अध्यक्ष

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त रविशंकर शुक्ला के आदेश पर सोमवार को प्रखंड कार्यालय के सभागार में चैम्बर ऑफ फार्मर्स का गठन किया गया।जिला उद्यान पदाधिकारी गौतम कुमार,उप परियोजना निदेशक संजय मंडल एवं प्रखंड के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी की अगुआई में आयोजित बैठक में 60 सदस्यीय टीम के उपस्थिति में मनोज मंडल को अध्यक्ष,गुरुदयाल मंडल को सचिव एवं गीता रानी सिंह को कोषाध्यक्ष बनाया गया।अध्यक्ष पद पर सीपी सिंह नामक ब्यक्ति ने किसान मनोज के साथ मुकाबला किया जिसमें मनोज 29 मतों अंतर से विजयी हुआ हैं। बंदना गांव के प्रगतिशील किशन गुरुदयाल को सचिव बनाया गया हैं। मौके पर बीटीएम दीपक कुमार,एटीएम सुजीत भौमिक आदि मौजूद थे।

26 जून को होने वाले झामुमो कार्यकर्ता सम्मेलन सह सदस्यता शिविर को लेकर किया जनसंपर्क अभियान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

चाईबासा। झामुमो प० सिंहभूम जिला समिति के पदाधिकारी एवं केन्द्रीय सदस्य अलग अलग टीम बनाकर लगातार जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत विभिन्न पंचायतों में प्रवास कर ग्राम स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाते हुए अधिक से अधिक युवा एवं महिलाओं को झामुमो से जोड़ने और विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन सह सदस्यता शिविर में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का काम कर रहे हैं । इसी क्रम में दिनांक 18 एवं 19 जून 2023 को जिला सचिव सोनाराम देवगम, झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग के सदस्य भुवनेश्वर महतो, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, केन्द्रीय सदस्य सह जिला उपाध्यक्ष इकबाल अहमद, केन्द्रीय सदस्य अभिषेक सिंकु ने संयुक्त रूप से किरीबुरू पूर्वी, किरीबुरू पश्चिमी, मेघाहातुबुरु उत्तरी, मेघाहातुबुरु दक्षिणी, गुवा पूर्वी और गुवा पश्चिमी पंचायत में प्रवास कर जनसम्पर्क अभियान चलाया, इस दौरान विभिन्न स्थानों पर ग्रामीण बैठकों का भी आयोजन किया गया । बैठक को संबोधित करते हुए जिला सचिव सोनाराम देवगम ने कहा कि क्षेत्र में झामुमो का सबसे मजबूत और प्रभावी संगठन होने के बावजूद सिंहभूम लोकसभा सीट एवं जगन्नाथपुर विधानसभा सीट पर झामुमो का अपना सांसद व विधायक नहीं होने के कारण क्षेत्र में पार्टी संगठन पर इसका विपरीत

प्रभाव पड़ रहा है । महागठबंधन धर्म का पालन करते हुए झामुमो कार्यकर्ताओं ने सहयोगी दल कांग्रेस के प्रत्याशियों को लोकसभा एवं विधानसभा में जिताने का काम किया लेकिन महागठबंधन के सहयोगी दल की ओर से झामुमो कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान तक नहीं मिला जिससे झामुमो कार्यकर्ता अपने आप को उपेक्षित और अपमानित महसूस करते हैं । इससे पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिर रहा है और क्षेत्र में जनसेवा और विकास के कार्यों में भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है, इसे ठीक किया जाना जरूरी है । झामुमो प० सिंहभूम जिला समिति ने क्षेत्र के झामुमो कार्यकर्ताओं की भावना को समझा है और पार्टी कार्यकर्ताओं की भावना, उनके आत्म सम्मान को ध्यान में रखते हुए केन्द्रीय नेतृत्व से सिंहभूम लोकसभा सीट के साथ ही जगन्नाथपुर विधानसभा सीट से भी झामुमो का प्रत्याशी देने का मांग किया है । क्षेत्र में पार्टी का अपना सांसद हो, अपना विधायक हो ताकि पार्टी संगठन के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सही तरीके से जमीन पर उतारने के साथ ही क्षेत्र के अधिक से अधिक स्थानीय बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को सभी सरकारी अथवा निजी उपक्रमों में प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरा कर सकें । जनसंपर्क अभियान के दौरान बैठकों में लोगों को हेमन्त सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं और राज्य सरकार के उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी जरुरतमंद लोगों को राज्य सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया । जनसंपर्क अभियान के दौरान गुवासाई, गुवा के मुन्डा मंगल सिंह पुरती एवं गुवा शक्तिनगर के हेमराज सोनार, किरीबुरू पश्चिमी की मुखिया पार्वती किड़ो, उप मुखिया सुमन मुन्डू समेत क्षेत्र के कई प्रभावशाली लोगों ने झामुमो का सदस्यता ग्रहण किया । झामुमो के सदस्यता अभियान और विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर क्षेत्र में काफी उत्साह देखा जा रहा है । जनसंपर्क अभियान में जिला सचिव सोनाराम देवगम, झारखण्ड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग के सदस्य भुवनेश्वर महतो, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, केन्द्रीय सदस्य सह जिला उपाध्यक्ष इकबाल अहमद, केन्द्रीय सदस्य अभिषेक सिंकु के अलावा नोवामुंडी प्रखंड अध्यक्ष चुमनलाल लागुरी, पूर्व प्र-खंड अध्यक्ष रिमु बहादुर थापा, पूर्व जिला संयुक्त सचिव बृन्दावन गोप, नोवामुंडी प्रखंड संगठन सचिव शम्शाद आलम, कपिलेश्वर दोंगो, आलोक तोपनो, शेख मुख्तार उर्फ पप्पू, रोशन, सुभाष समेत कई स्थानीय कार्यकर्ता शामिल रहे।

पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा का रिजल्ट प्रकाशित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हू मुर्मू विश्विद्यालय ने पी-एच. डी. कोर्स वर्क परीक्षा 2022 का रिजल्ट प्रकाशित कर दिया है यह परीक्षा मई के अंतिम सप्ताह में आयोजित की गयी थी इस परीक्षा में विभिन्न विभागों के कुल 244 शोधार्थी शामिल हुए थे जिसमें से 97.95 फीसदी छात्र-छात्राएं सफल घोषित हुए है । परीक्षा विभाग के तत्परता और प्रभारी कुलपति प्रो. (डॉ) विमल प्रसाद सिंह के कुशल नेतृत्व के कारण पी-एच.डी. कोर्स वर्क परीक्षा का रिजल्ट परीक्षा के सिर्फ 22 दिनों के बाद प्रकाशित हुआ है । इसकी जानकारी विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी दीपक कुमार दास ने दिया ।

श्रावणी मेला 2023

नगर आयुक्त-सह-प्रशासक महोदय के आदेशानुसार आज दिनांक 19.06.2023 को श्रावणी मेला के आलोक में समीक्षा बैठक रखी गई है:-
कांवरिया रूट लाइन एवं मंदिर के आसपास के क्षेत्रों में भवन निर्माण सामग्री जो पथ के किनारे है ' स्वच्छता एवं विधि व्यवस्था के परिपेक्ष्य में हटाने का अभियान चलाकर कल 20/6/23 से प्रारम्भ किया जाएगा '
रूट लाइन की विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा जिसमें 30 समर्पित सफाई मित्र द्वारा कार्य कराया जाएगा '
1.कालीपुर से कुमैठा तक '
2. कुमैठा से सिंघवा तक '
3.खिजुरिया से बाघमारा बस स्टैंड तक '
4. बरमसिया से हदहदिया पुल तक '
5. परमेश्वर दयाल रोड से बरमसिया चौक तक '
6.ईदी कॉलेज से सरकार भवन तक '
7. शिवराम झा चौक से मानसरोवर तक '
अपराह्न 1 बजे से उक्त बैठक में शामिल हुए :
वरीय सफाई निरीक्षक श्री अजय कुमार, श्याम सुंदर जी, गोपाल जी, कर्मवीर जी, कन्हैया जी, उे सतीश जी, उे सुधांशु जी, मनीष जी
समय 1.30 से अभियंत्रण शाखा के साथ बैठक की गई
बैठक में शामिल हुए :
कार्यापालक अभियंता श्री अरविंद कुमार सिंह सहायक अभियंता श्री वैदेही सरण, कनीय अभियंता श्री मुकुल कुमार, श्री सूरज वर्मा, श्री सुमन कुमार वर्मा, श्री अरविंद कुमार '
श्रावणी मेला के कार्यों की समीक्षा बैठक की गई' सभी कार्यों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूर्ण कराने हेतु सख्त निर्देश दिया '
सभी अभियंता गण को रूट लाइन भ्रमण कर लाइट, सफाई, जलापूर्ति एवं अन्य कार्यों का निरीक्षण कर सूचित करना सुनिश्चित करे '
श्री अरविंद कुमार, कनीय अभियंता को हरि किशन सह लेन में नाली को स्लैब से ढंकने हेतु निर्देश दिया ' जटाहर बाबा के पास पथ को REPAIR हेतु निर्देश दिया '

भारत में मुस्लिम महिला सशक्तिकरण का उदय

शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं' : नेल्सन मंडेला

तंज़ीला तासीर,रांची।

किसी भी उपेक्षित समुदाय के सशक्तिकरण और विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक शिक्षा है। यह समाज में एक सम्मानजनक और सम्मानित जीवन जीने के साथ-साथ काम खोजने और जीविका के लिए पैसे कमाने के लिए महत्वपूर्ण है। उच्च शिक्षा पर हाल ही में जारी अखिल भारतीय सर्वेक्षण 2020-21, कुछ परेशान करने वाले रुझानों का खुलासा करता है। 2019-20 के दौरान उच्च शिक्षा में मुस्लिम छात्रों के नामांकन में 8% की कमी आई। दूसरी तरफ, 2019-20 की तुलना में, दलितों, आदिवासियों और ओबीसी के लिए उच्च शिक्षा नामांकन में क्रमशः 4.2%, 11.9% और 4% की वृद्धि हुई है। हाल के दिनों में किसी भी समूह ने कभी भी इस दर से पूर्ण गिरावट का अनुभव नहीं किया है।

लेकिन इसी परिपेक्ष में कुछ मुस्लिम महिलाओं अपना परचम लहराने में

कामयाबी हासिल की है। जो उनके लिए काफी मुश्किल भरा सफ़र था,मगर उन्होंने जीत हासिल कर के ही दम ली है।

हाल के वर्षों में, मुस्लिम महिलाएं बाधाओं को तोड़ रही हैं और विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही हैं, रूढ़िवादिता को तोड़ रही हैं और अपनी योग्यता साबित कर रही हैं। यूपीपीसीएस के परिणामों की हालिया घोषणा, जहां दो मुस्लिम लड़कियां, सलतनत परवीन और मोहसिना बानो ने शीर्ष 10 में स्थान हासिल किया, इस तथ्य का प्रमाण है कि मुस्लिम महिलाएं महानता हासिल करने और समाज में योगदान देने में सक्षम हैं। विभिन्न चुनौतियों और बाधाओं का सामना करने के बावजूद, मुस्लिम महिलाओं ने आगे बढ़ना जारी रखा है और अपनी योग्यता साबित की है।

भारत में मुस्लिम महिलाओं ने कई चुनौतियों का सामना किया है जिन्होंने पूरे इतिहास में उनके शैक्षिक, पेशेवर और व्यक्तिगत विकास में बाधा उत्पन्न की है। हालाँकि, हाल के वर्षों में, कई मुस्लिम महिलाओं ने रूढ़िवादी मानसिकता से लड़ने के लिए अपनी अमर भावना के माध्यम से परिदृश्य को बदल दिया है। भारत में मुस्लिम महिला सशक्तिकरण सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता से जुड़ा है। हानिकारक परंपराओं और आत्मविश्वास की कमी जैसी बाधाओं को दूर करने के लिए व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा पर जोर दिया जाना चाहिए और सरकार को मुफ्त शिक्षा (उच्च स्तर पर), परिवहन सुविधाएं और रोजगार अधिकार प्रदान करना चाहिए। विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षित मुस्लिम महिलाओं के लिए आरक्षण नीतियां भी उनकी प्रगति में सहायता कर सकती हैं। महिलाओं की शिक्षा के संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद मुस्लिम महिलाएं पुरुषों और अन्य धार्मिक समूहों से पीछे हैं। मुस्लिम परिवार अक्सर अपनी महिला बच्चों की शिक्षा को सीमित कर देते हैं, और जो लोग स्कूलों और विश्वविद्यालयों में प्रवेश करते हैं उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ता है। मुस्लिम महिलाओं को सशक्त बनाना भारत की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वे 7% आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं और सभी धार्मिक समुदायों में सबसे पिछड़ी हैं।

सल्तनत परवीन और मोहसिना बानो जैसी मुस्लिम महिलाओं ने बड़ी सफलता हासिल की है और हजारों अन्य शिक्षित मुस्लिम महिलाओं को अक्सर पुरुषों के प्रभुत्व वाले गढ़ों में प्रवेश करने के लिए प्रेरित किया है। मुस्लिम समुदाय को समान अवसर पैदा करने के लिए मुस्लिम महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए। भारत सरकार ने मुस्लिम महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए पिछले कुछ वर्षों में कई उपाय किए हैं। ऐसा करके, हम एक अधिक समावेशी और समान समाज बना सकते हैं, जिससे पूरे देश को लाभ होगा। कुल मिलाकर, हमें समाज में मुस्लिम महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को पहचानना चाहिए और सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक बाधाओं को तोड़क-र उनकी उन्नति का समर्थन करना चाहिए। सामूहिक प्रयासों और पहलों के माध्यम से हम सभी के लिए अधिक समावेशी और समान समाज बना सकते हैं।

प्रस्तुत लेख मेरी निजी राय है।

गांव-गांव में सरकार खोलेगी दवा दुकान, जरूरी और अनिवार्य दवाएं होंगी उपलब्ध : हेमंत सोरेन

चतरा

-मुख्यमंत्री ने चतरा से पंचायत स्तरीय योजना की शुरूआत की

-मुख्यमंत्री ने तीन अरब 78 करोड़ रुपये की 219 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया

चतरा जिले से राज्य सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट पंचायत स्तर दवा दुकान योजना की शुरूआत हो गई है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित युवाओं को पंचायतों में दवा दुकान संचालित करने का लाइसेंस सौंप कर इस योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लगभग तीन अरब 78 करोड़ रुपये की 219 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। वहीं लाभुकों के बीच दो करोड़ 81 लाख रुपये की परिसंपत्ति का वितरण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब गांव-गांव में भी दवा दुकान खोली जाएंगी। यहां जरूरी और अनिवार्य दवाएं उपलब्ध होंगी, ताकि रिमोट और दूरदराज में रहने वाले ग्रामीणों को दवाओं के लिए प्रखंड और जिले की दौड़ नहीं लगाना पड़े।

राज्य को बेहतर और जिम्मेदार व्यवस्था देने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को एक बेहतर और जिम्मेदार व्यवस्था देने का प्रयास जारी है, ताकि सरकार की नजरें और योजनाएं सुदूर ग्रामीण इलाकों तक पहुंच सकें। इस सिलसिले में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से आपकी समस्याओं का निष्पादन किया गया। इस तरह की योजना फिर से शुरू की जाएगी, ताकि जनता के साथ सरकार का जुड़ाव बना रहे।

एयर कंडीशनर कमरे में नहीं, धरातल पर काम कर रही सरकार

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार एयर कंडीशनर कमरे में बैठकर नहीं, बल्कि जाड़ा, गर्मी और बरसात, कोई भी मौसम हो, फील्ड में काम कर रही है, ताकि लोगों की परेशानियां और समस्याओं को हम समझ सकें। इतना ही नहीं योजनाएं धरातल पर उतरे जा रही हैं। सभी वरीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे भ्रमण कर योजनाओं की जमीनी हकीकत की जानकारी लें।

राज्य को मजबूत और लोगों को उनके पैरों पर खड़ा करने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश तभी मजबूत होगा जब राज्य मजबूत होगा और राज्य तभी मजबूत होगा जब ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी। इसी बात को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य केंद्र में रखकर योजनाएं बना रही है। किसानों, मजदूरों के हित में सरकार काम कर रही है।

ग्रामीणों को स्वावलंबी बनाने, उनकी आय में वृद्धि करने, बेहतर शिक्षा, रोजगार उपलब्ध कराने, स्वरोजगार के मौके देने समेत कई सेक्टर में विशेष तौर पर काम किया जा रहा है ताकि, राज्य और राज्य वासियों को खुशहाल बना सकें।

वरीय पदाधिकारियों और जिलों के डीसी-एसपी के साथ लंबी बैठक हुई

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी महीने की 15 और 16 तारीख को राज्य के वरीय अधिकारियों और सभी जिलों के डीसी और एसपी के साथ विकास और विधि व्यवस्था को लेकर मैंने लंबी चर्चा की। अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया गया है कि वे सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं और विधि व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सभी समुचित कदम उठाएं। जनता का हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भूमि अधिग्रहण को लेकर सरकार संवेदनशील

हेमंत सोरेन ने कहा कि कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। इस सिलसिले में मुझे ग्रामीणों से कुछ शिकायतें मिल रही हैं। मैं भूमि अधिग्रहण से प्रभावित होने वालों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनके साथ कोई अन्याय नहीं होगा। उनको उनका हक और अधिकार हर हाल में मिलेगा। इसे लेकर सरकार पूरी तरह संवेदनशील है।

177 योजनाओं की आधारशिला रखी, 42 का उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 3 अरब 64 करोड़ 34 लाख 68 हजार 925 रुपये की लागत वाली 177 योजनाओं की नींव रखी, जबकि 14 करोड़ 6 लाख 741 रुपये की 42 योजनाओं का उद्घाटन किया। वहीं, लाभुकों के बीच 2 करोड़ 81 लाख 15 हजार 446 रुपये की परिसंपत्तियों बांटी। इस कार्यक्रम में 11 नव नियुक्तों को मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

झारखंड में मानसून ने दी दस्तक, गर्मी से मिली राहत

रांची। लंबे इंतजार के बाद झारखंड में मानसून ने दस्तक दे दी है। सोमवार को राजधानी रांची में दिन भर काले बादल छाए रहे। कई जिलों में बारिश शुरू हो गयी है। रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ अभिषेक आनंद ने बताया कि संताल परागना के रास्ते झारखंड में मानसून प्रवेश कर गया है।राज्य में अगले पांच दिनों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना व्यक्त की गयी है। अगले दो दिन में जमशेदपुर में भी मानसून प्रवेश करेगा। सोमवार को मौसम विभाग ने गुमला, लातेहार, रांची, लोहरदगा, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो समेत अन्य जिलों में बारिश और वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट जारी किया कर दिया है।झारखंड में मानसून के प्रवेश करते ही तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है। मानसून गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़ और दुमका के कुछ स्थानों में प्रवेश कर गया है। रांची समेत अन्य कई जिलों में बूंदा-बांदी से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। मानसून ने भले ही राज्य में देर से प्रवेश किया है लेकिन इस वक्त की बारिश किसानों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है।

राज्य में लंबे समय से मानसून का इंतजार हो रहा था। तपती धरती और लू ने लोगों को परेशान कर दिया था। घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा था।

मंगलवार को धूमधाम से निकाली जाएगी रथ यात्रा, जगन्नाथ रथ मेले में मनोरंजन के लिए होगा खास

रांची। रांची के जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ का सोमवार को नेत्रदान अनुष्ठान संपन्न हुआ। शाम पांच बजे के बाद भगवान के दर्शन सुलभ हो गए। इसके बाद मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना हुई। प्रभु जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का 14 दिनों बाद भक्तों ने दर्शन किए।

मंगलवार को प्रातः भगवान की पूजा होगी। इसके बाद पट खोल दिया जायेगा। दिन में पट बंद कर भगवान समेत सभी विग्रहों को रथारूढ़ किया जायेगा। रथ की सजावट और विष्णु लक्षार्चना कर आरती होगी। भक्त रथ को खींचते हुए मौसीबाड़ी ले जायेंगे। भगवान को यहां मंदिर में विराजमान किया जायेगा। मंगल आरती व भोग निवेदन के बाद मंदिर का पट बंद कर दिया जायेगा। चार जून को स्नान यात्रा के दिन से प्रभु एकांतवास में थे।

जगन्नाथपुर मंदिर में 333 वर्ष से रथ यात्रा निकाली जा रही है। मेले की सुरक्षा के लिए 16 बैरिकेडिंग बनाए गए हैं। वहीं 40 से भी अधिक सीसीटीवी कैमरों की मदद से मेले की निगरानी की जायेगी। सुरक्षाबल तैनात होंगे। साथ ही सादे लिबास में महिला और पुरुष सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रहेगी। मंदिर परिसर में 10 दिन तक मेला लगा रहता है। इस मेले में दूर- दूर से लोग शामिल होने और भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने आते हैं। कई तरह के झूले, मिठाईयां, बर्तन, ग्रामीण उपयोग की चीजें, चाकू, छुरी और तलवार बिकते हैं। रथ यात्रा के दौरान जगन्नाथपुर में लगने वाला मेला लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र होता है।

चार एकड़ में फैले जगन्नाथपुर मेला परिसर में झूले व अन्य स्टॉल को स्थापित करने में 1000 से अधिक कारीगर दिन-रात जुटे हुए हैं। एक झूले में 12 से 15 स्टाफ काम कर रहे हैं, जिससे 100 लोगों से अधिक परिवार जुड़ा हुआ है। इस वर्ष 50 से अधिक झूले लगाये गए हैं। इन झूले में चार वर्ष के बच्चे से लेकर 65 वर्ष तक के बुजुर्ग को चढ़ने की अनुमति होगी। बच्चों के लिए जहां ट्रेन, मिक्की हाउस, जंपिंग, धूम बाइक, ड्रैगन और हेलीकॉप्टर जैसे दर्जनों झूले होंगे। वहीं बड़ों और बुजुर्गों के लिए 18 से लेकर 120 फीट ऊंचे टावर झूले लगाये जा रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना इस बार 20 से अधिक झूले मेला परिसर में लगाये जा रहे हैं, ताकि लोगों को झूले का आनंद लेने के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े।

झूले के टिकट की रेंज 30-150 रुपये होगी

इस वर्ष जगन्नाथपुर रथ मेला को लेकर टेंडर निकाला गया था। अंतिम रूप से पश्चिम बंगाल के राजू चंद्रा ने 76 लाख रुपये में टेंडर हासिल किया। मेला व्यवस्थापक अब्दुल सलाम ने बताया कि इस वर्ष मेला से एक करोड़ रुपये से अधिक कमाई का अनुमान है। इस बार 20 से अधिक झूले मेला परिसर में लगाये जा रहे हैं, ताकि लोगों को झूले का आनंद लेने के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े।

झूले रहेंगे आकर्षण का केन्द्र

इस बार झूले 11 लगाये गये हैं। ब्रेक डांस दो लगते थे, जो इस बार सात होंगे, दो टोरा-टोरा की जगह अब चार लगेंगे। तीन मौत का कुआं अलग-अलग आकार के होंगे। बच्चों के झूले जो आठ होते थे अब 15 से अधिक होंगे, ड्रैगन ट्रेन जो दो होती थी, इस बार इसकी संख्या चार है। बीते वर्ष तक जहां तीन नाव झूला लगा था, इस बार 10 नाव झूला अलग-अलग आकार के लगाये जा रहे हैं।जगन्नाथपुर मेला में इस वर्ष दो झूला आकर्षण का केंद्र बोगा। कर्नाटक के रास्ते रांची शहर में पहली बार सुनामी और थ्रीस-बी झूला लगाने की तैयारी है। दोनों ही झूले 70 फीट की ऊंचाई पर लोगों को बवंडर की तरह घुमायेंगे। यह दोनों झूला एक-एक लगाये जा रहे हैं। वहीं हथौड़े के आकार के दो रेंजर झूले 70 फीट की ऊंचाई पर 70 फीट की परिधि में 360 डिग्री घुमायेंगे।मेला परिसर का खास आकर्षण टावर झूला होगा, जिसका रोमांच मेला परिसर में प्रवेश के साथ ही महसूस होने लगेगा। इस वर्ष कुल 11 टावर झूले लगाये जा रहे हैं। इनमें बच्चों के लिए 18 फीट का हाथ से चलनेवाला टावर झूला से लेकर मोटर से चलने वाला 120 फीट ऊंचा झूला है।

जैक 11वीं के रिजल्ट से असंतुष्ट छात्रों का प्रदर्शन, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के नामकुम स्थित कार्यालय के पास सोमवार को 11वीं के रिजल्ट से असंतुष्ट छात्र पहुंचे। छात्र जैक अध्यक्ष अनिल कुमार महतो से मिलने की मांग करते हुए कार्यालय के बाहर बैठ गए, वहीं कुछ छात्र कैंपस के बाहर खड़े थे। छात्रों को जब जैक अध्यक्ष से मिलने नहीं दिया गया, तो विरोध स्वरूप सभी छात्र प्रदर्शन करने लगे। इसे रोकने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान कुछ छात्र-छात्राओं को हिरासत में लिया गया है।दूसरी ओर, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का एक प्रतिनिधिमंडल ने जैक अध्यक्ष से मिलकर समाधान की मांग की। इस पर जैक अध्यक्ष ने जल्द ही छात्र हित में फैसला लेने की बात कही है।

सोमवार को जैक ऑफिस पहुंचे असंतुष्ट छात्रों के इस आंदोलन को छात्र संगठन एआईडीएसओ की ओर से नेतृत्व किया जा रहा था। छात्रों का आरोप है कि जब छात्र जैक अध्यक्ष से मिलने पहुंचे, तो उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया और जबरन ऑफिस से बाहर निकाल दिया गया। इसके बाद गेट का ताला लगा दिया गया। इस दौरान छात्रों के विरोध करने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। वहीं, कुछ छात्रों को हिरासत में लिया गया।

दूसरी ओर, असंतुष्ट छात्रों को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का समर्थन मिला। छात्रों की समस्या के समाधान के लिए छात्र नेता सौरव बोस एवं रोहित शेखर ने जैक अध्यक्ष अनिल कुमार महतो से भेंट की। इस दौरान छात्रों को हो रही परेशानी को बताया। इस पर जैक अध्यक्ष ने जल्द समाधान की बात कही।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्र नेताओं के मुताबिक, जैक अध्यक्ष ने जल्द छात्र हित के बारे में फैसला करने की बात कही है। साथ ही कहा कि अगर किसी छात्र को अंक से समस्या हो, तो परीक्षा पत्र स्क्रूटनी के लिए जांच शुल्क 50 रुपये जमा करने के साथ छात्र अपनी परीक्षा पत्र की जांच करा सकते हैं।

नेशनल राइफल शूटर तारा शाहदेव के मामले में एयरटेल के अधिकारी ने दी गवाही

रांची। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में नेशनल राइफल शूटर तारा शाहदेव मामले के मुख्य आरोपित रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल की ओर से बनाए गए गवाह एयरटेल के अधिकारी ने सोमवार को गवाही दी।

कोहली की ओर से एक टेलीफोन नंबर दिया गया था, जिसके बारे में सूचना मांगी गई थी। एयरटेल अधिकारी ने गवाही में बताया कि तारा शाहदेव प्रताड़ना के जिस घटना का जिक्र किया जा रहा है, उस दौरान यह टेलीफोन नंबर रंजीत सिंह कोहली के नाम पर था। एयरटेल के अधिकारी की ओर से इससे संबंधित दस्तावेज भी कोर्ट में प्रस्तुत किए गए। मामले में अगली गवाही 23 जून को होगी।

इससे पूर्व रंजीत कोहली की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी गवाह बनाया गया था। पिछली सुनवाई में मुख्यमंत्री के अधिकृत व्यक्ति मुस्ताक आलम ने गवाही दी थी।

मामले में मुख्य आरोपित रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल के अलावा हाई कोर्ट के बर्खास्त पूर्व रजिस्ट्रार मुश्ताक अहमद और कोहली की मां कौशल रानी ट्रायल फेस कर रहे है। रंजीत कोहली और तारा शाहदेव की शादी सात जुलाई 2014 को हुई थी। शादी के बाद ही मारपीट एवं उत्पीड़न की घटनाएं होने लगी थी। सीबीआई ने हाईकोर्ट के आदेश पर 2015 में केस टेक ओवर किया था। लेकिन शादी के कुछ माह बाद उसे धर्म परिवर्तन करने प्रताड़ित किया जाने लगा। आरोपितों के खिलाफ दो जुलाई 2018 को आरोप गठित किया गया था।

हाई कोर्ट में शपथ पत्र दायर कर जमशेदपुर डीसी ने जमीन का कब्जा दिलाने की दी जानकारी

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट में सोमवार को पूर्वी सिंहभूम, परगना धालभूम, मानगो स्थित तीन कट्ठा से अधिक गिरवी रखी जमीन को एक्सिस बैंक द्वारा उसके नीलामी खरीदार को जमीन का दखल नहीं दिलाने मामले में मकसूद आलम सहित अन्य की याचिका पर सुनवाई हुई।

मामले में जमशेदपुर डीसी की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर बताया गया कि नीलामी जमीन का कब्जा बैंक को दिला दिया गया है। बैंक ने विधिवत रूप से जमीन का कब्जा 17 जून को नीलामी खरीदार को कर दिया है, जिसके बाद डीसी जमशेदपुर के जवाब पर संतुष्टि जताते हुए कोर्ट ने याचिका निष्पादित कर दी।

इससे पूर्व डीसी की ओर से कोर्ट से उपस्थिति से छूट का आग्रह करते हुए बताया गया कि वह बीमार है और अपने ऑपरेशन के लिए झारखंड से बाहर हैं, जिस पर कोर्ट ने उनकी उपस्थिति से छूट प्रदान की। सुनवाई के दौरान इंचार्ज डीसी मनीष कुमार कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए।

पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के आलोक में एडीएम (लॉ एंड ऑर्डर) जमशेदपुर एवं एसएसपी जमशेदपुर हाई कोर्ट में उपस्थित हुए थे। वहीं जमशेदपुर डीसी ने प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए उपस्थिति से छूट का आग्रह किया गया था। इस पर कोर्ट ने 19 जून को जमशेदपुर डीसी को सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

विधानसभा में लाभार्थी सम्मेलन होटल के सभागार में जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में किया गया

देवघर।

भारतीय जनता पार्टी विधानसभा स्तरीय देवघर विधानसभा में लाभार्थी सम्मेलन होटल के सभागार में जिला अध्यक्ष विधायक नारायण दास की अध्यक्षता में किया गया कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर वंदे मातरम का गीत गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई तत्पश्चात सभी लाभार्थी अतिथियों का स्वागत जिला अध्यक्ष विधायक नारायणदास में अपने संबोधन में किया साथ ही साथ विधायक ने कहा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी के 9 साल के सफल कार्यकाल को लेकर पूरे देश भर में महा जनसंपर्क अभियान के तहत कार्यक्रम किया जा रहा है देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी ने जो पूरे भारतवर्ष में विकास की गंगा बाई वह काफी सराहनीय है । जिस प्रकार आपने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाया और विकास की गंगा पूरे भारतवर्ष में जन-जन तक पहुंचाया यह काफी ही सराहनीय है इसी प्रकार महा जनसंपर्क अभियान के तहत कार्यक्रम में आए सभी लाभार्थी महिलाओं समय अपील करना चाहूंगा आप देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी के द्वारा जितनी भी योजनाएं हैं आप घर कर जाएं और लोगों को बताएं

लाभार्थी सुखमणि देवी ने कहा आज मोदी जी ने जो प्रधानमंत्री आवास दिया है उसका लाभ मुझे मिला मुझे प्रधानमंत्री आवास मिला शौचालय मिला राशन कार्ड मिला मोदी जी को हम लोग फिर से 2024 में लाएंगे और भारत का प्रधानमंत्री बनाएंगे

लाभार्थी लक्ष्मी देवी ने कहा आज मोदी जी के द्वारा आयुष्मान योजना के तहत हम लोग कहीं भी रू 500000 रुपए तक का इलाज मुफ्त में करवा सकते हैं इस योजना से मुझे काफी लाभ मिला ।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित विधायक नारायण दास जिला मीडिया प्रभारी सचिन सुल्तानिया जिला कोषाध्यक्ष दिलीप सिंह नगर अध्यक्ष चंद्रशेखर खवाडे आदि भारी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित थे

भाकपा ने सभी विपक्षी पार्टियों से एकजुट होने की अपील की

रांची। भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने कहा कि देश में संप्रदायिक दंगे को भड़का कर देश में विभाजन कर राजनीति रोटी सेकने वाले केन्द्र को देश की जनता उखाड़ फेकेगी । क्योंकि देश में महंगाई, बेकारी,लाचारी और तबाही से जीने के लिए सरकार ने मजबूर कर दिया है।

राजा सोमवार को अल्बर्ट एक्का चौक स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के तमाम विपक्षी पार्टियों को ईडी और सीबीआई के एजेंसियों से डराया जा रहा है । देश में महिला पहलवानों के साथ जो हरकत हुआ पूरे दुनिया देखा।

संसद के उद्घाटन में जिस तरह से राष्ट्रपति को दरकिनार कर संसद का उद्घाटन किया गया। पूरे दुनिया ने देखा देश में तानाशाह की तरह मोदी की सरकार काम कर रही है उन्होंने कहा कि आज झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन ने भी स्पष्ट किया है कि हम विपक्षी एकता बनाने के लिए प्रयासरत हैं । 23 जून को पटना में तमाम विपक्षी पार्टियों के समागम 2024 की तैयारी के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाकपा ने नारा दिया है, भाजपा हटाओ देश बचाओ, भाजपा हटाओ लोकतंत्र बचाओ, भाजपा हटाओ संविधान बचाओ प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय सचिव के नारायणा एवं डॉ भालचंद्र कांगो , पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ,भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव महेंद्र पाठक ,जिला सचिव अजय कुमार सिंह, अधिवक्ता एके रसीदी, धर्मवीर सिंह मौजूद थे।

झामुमो ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास पर जमकर निशाना साधा

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा(झामुमो) के वरिष्ठ नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि रघुवर दास का विकास तीर्थ भ्रमण हो रहा है। ये विकास तीर्थ भ्रमण शब्दों का एक ऐसा जाल है, जिसमें विनाश की पटकथा बहुत आसानी से लिखा जा रहा है। कई संस्थानों को कब्जे में करकर जो लोगों के मुद्दे है, उससे लोगों को भटकाया जा रहा है। भट्टाचार्य सोमवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता में बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष को राज्य के लोगों ने सिर्फ नाकारा नहीं है, उनकी विधायकी ही छीन ली है। आज भी वह स्वप्न लोक में जीते है और खुद को आज भी मुख्यमंत्री-मुख्यमंत्री भाव दिखाते है। अपने शासन काल में जिन विफलताओं के साथ लोगों ने आगे बढ़ने का काम किया। वह जो सफल क्रियान्वयन है, उसको कैसे अपने से जोड़ा जाये। इसकी चाल चली जा रही है। उन्होंने कहा कि आप राष्ट्रीय नेता है, तो जो राज्य मणिपुर आज जल रहा है। वहां एक केंद्रीय मंत्री का घर फूंका दिया गया है। आपकों वहां जाना चाहिए। आपके राष्ट्रीय अध्यक्ष रैली करते है, उस दिन 19 लोग मणिपुर गोली से मारे जाते है। आपके समय में जो 27 हजार एमओयू हुआ था, उस समय सांप क्यो सूंघ जाता है।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Mind of Politicians

Professor M.C.Behera

Jharkhand Dekho Desk: The society knows level of decency in language used by a teacher, seer, police person, farmer, bus conductor, rickshaw puller, lawyer, or by a labour sardar. Each occupation has its speciality in the use of language. The society expects a teacher's language to be polite and descent. People who listen to the language of a labour sardar used for the workers do not feel offensive. Polite language of a lawyer with his client is not taken in its face value, for the society does not take a lawyer's words to be trustworthy. The language of a seer is considered to be helpful to one in treading the chosen path of self-realisation. Obviously, the perception of society on value, decency, trustworthiness, etc. of language used in different occupations varies. Society has its own expectations and understanding of meanings of the language.

What is the language of politicians? How does it define the course of public action for progress, prosperity and peace? How does it affirm social solidarity and national integration? How does politicians' language teach moral values and convey real concern for the public? Where does a politician's language fit in on the scale of decency, politeness, trustworthiness and reliability? Does it convey conceit, ambiguity or double meaning? Why do they use the language which they do? Do people expect such languages? To understand this it is imperative to understand politician mind with reference to their comments, views, remarks and actions.

It should be remembered that the Congress opposed installation of sengol in Parliament house and left no stone unturned to prove that the former has nothing to do with power, authority, justice and in transfer of power. But Siddaramaiah, C.M. of Karnataka from Congress party received it from Makkal Samugha Neethi Pervai (People's Social Justice Council), Madurai. It is gifted to him 'to save social justice in the democracy'. The purpose obviously does not recognise the Constitution as protector of social justice. Besides, it idolises a person, Siddaramaiah, not the Constitution to ensure social justice in a democracy. Idolisation is further evident with the idol of Periyar engraved on it. Strangely, Siddaramaiah subscribes to the idea by receiving it. The CM belongs to Karnataka, Periyar was a social reformer connected with down trodden and the sengol is from an NGO of Madurai! The tradition is diluted by engraving the idol of Periyar, making social justice confined to the down trodden section and reducing its significance for the society as a whole. Besides, CM of Karnataka does not have power beyond Karnataka. The action shows politicians' mind of 'divide and rule' and its influence on NGOs working for a section of the society.

Change of the name of Nehru Museum invites criticism particularly from politicians from Congress party. Bhupesh Baghel criticises it as BJP government's problem with Nehru-Gandhi family. It seems that Congressis do not use any language without mentioning this family. Undoubtedly, this family is at the centre of Congressi's mind as it reflects in their politics and they cannot think of anything beyond this family in terms of contribution to nation building. Nation is not the feudatory of a family in a democracy so that contribution of others can be ignored on the principle that soldiers fight and general takes the credit. Even an ordinary citizen has its contribution and it cannot be demeaned as we learn from the example of squirrel's contribution at the time of building Setu. Why have not PMs like Chandrasekhar, Charan Singh, I. K. Gujral. V. P. Singh. Deve Gowda, Guljarilal Nanda, P.V. Narashima Rao received at least due and reasonably proportionate recognition by the government? What is contribution of Sanjay Gandhi to have trust, colleges, schools, hospitals, cooperative societies in his name? Had he been from another family would he have received so much of importance? How many Indians know Jaipal Singh Munda, except in his area, who had made immense contribution in the debates of Constituent Assembly? How many know the movement by Moji Riba and Moje Riba of Arunachal Pradesh even after Independence that foiled the Reid Plan of Crown Colony. If we have hills of Northeast as a part of India, it is because of this movement? Is their contribution of no worth to be remembered in nation building?

A family has a genealogical link. How Gandhi is genealogically linked with this family and how Vadra lineage is linked with Gandhi surname? At one hand, politicians attempt to give all credit to Nehru-Gandhi family and on the other hand there are politicians who strive to give due recognition to all important participants in the process of nation building.

A Prime Minster does not belong to a party, though he or she is invariably from a political party. Once in PM post the incumbent belongs to the country and his/her legacy is country's legacy. His or her glory shines not as a particular individual of a political party, but as a PM and one among the genre. The controversy over renaming of Nehru Memorial Museum and Library as Prime Ministers Museum & Society is nothing but politics. Change of name neither idolises nor insults an individual person, but glorifies the person by situating him in the genre. It glorifies the institution, not the person. Politics rather reduces his greatness to the level of an individual person. It should be remembered that it is not the individual but the

ideal for which he stands for is important. Nehru is not an individual, but an idea and part of an institution of such ideas.

Arvind Kejriwal has emerged as a mental in Indian politics. It is evident from his contradictory remarks, hypocrisy and attempt to befool public by telling lies. He came to power with the promise of fighting against corruption. But unfortunately, instances of corruption in face characterise his government. He is silent about visible corruption by his party members, but cries BJP conspiracy to white wash the black. He promised simple leaving, but renovation of his residence speaks contrary to his words. He takes U-turn time and again. At one time he remarked that degree has no connection with politics. But the degree of PM is his party's present political agenda. While degree issue has a political significance for him, he conveniently forgets degrees of ministers in Bihar and also elsewhere. Perhaps he forgets what he speaks, or thinks that public are fool to believe his pranks. Littleness of his mind reflects in almost all his contradictory statements and actions. He always tries to blow up trivial issues and attack the PM. Can it be his strategy to project himself important by attacking really important persons?

His mind is well reflected in his whirlwind tour in the country to seek support of non-BJP parties and governments against Centre's Ordinance on extending powers to Delhi's LG over services in the national capital. The protest, as is claimed, aims to save democracy and Constitution. The Congress sidesteps, but all other opposition parties show their support. Even some CMs like KCR compare the ordinance passed by the Parliament with the time emergency imposed by Indira Gandhi in 1975. Kejriwal tries craftily to make it an issue between public and Modi government, and blames that the latter does not believe in SC.

Every conscious citizen knows that there is judiciary to interpret law and protect the Constitution. The provision of passing ordinance is the power given to an elected government of a democracy by the Constitution. How it could be undemocratic? If there is something undemocratic and unconstitutional, it is the Supreme Court to interpret. Moreover, Delhi is not a full-fledged state like Rajasthan or Madhya Pradesh and thus Central government has greater power to exercise in a Union Territory like Delhi. Lawlessness shall be fought with the law; this is the essence of democracy and the strength of the Constitution. Instead, Kejriwal is on a tour to misguide public using selective words to arouse public sentiments and playing victim card in their name. Whose money is spent? When ideologically oppositions differ what is the ground of their coming together to protest the ordinance passed in the Parliament following democratic procedures and constitutional provisions? Does not mind speak of supremacy of politicians' interest over real democratic values?

How can an ordinance passed to restrict the power of a CM of a UT be equal to the national stigma of emergency? In fact, younger generations of age below 10 years in 1975 may not understand intensities of atrocities inflicted during the time of emergency. Even many eye witnesses like us remember the nightmare as a hazy picture. It does not incite provocation with the intensity it did at that time, because time is the great healer of past wounds. Comparison of emergency with an ordinance passed for state following democratic procedures is an effort to demean constitutionally laid down democratic provisions on the one hand and to glorify misuse of constitution for a dictatorial regime on the other. It is like comparing a shaving induced cut with intentional cutting of throat! Such an expressed intention of a public leader is more likely to misguide public than giving right political education for a national interest. Politicians' mind undoubtedly nourishes dishonesty, tricks to cheat and exploit, and other negative qualities.

The ordinance is not against the public, but a law for separation of power between LG and the CM in a UT. Do all the people, who have their other priorities, are aware of working of democracy? In fact they depend upon their leaders who take advantage of such dependency and mislead the public so that they can fish out of troubled waters.

In Delhi voters belong to Bangladeshi and other migrant workers from different parts of India. In a recent discussion with some migrants from Bihar, who are in Delhi for more than 50 years, it was revealed that they vote for Kejriwal not that they like him, but for freebies which fulfil their objectives of migrating to Delhi. Freebies, as they point out, add to their income without any effort and help to raise standard of living. Bibhukitam kim no karoti papa? A hungry individual does not think of ethics and morality. Politicans take advantage of it. Voters' poverty, material aspirations, dream and the concern for present are cleverly exploited by politicians for selfish gain. The refugee Bangladeshis and Rohingyas may play victim cards by advancing hundreds of reasons. But, the question is who exploits whom? Practically, it is the nation and people of Delhi who are exploited. Had it been for the nation or Delhi, Kejriwal would not have provided freebies as the increased income is spent outside Delhi at the cost of Tax payers' hard earned money meant for national cause and development in Delhi. The problem from Bangladeshis and Rohingyas, who disturb communal harmony in Capital of the country, involve in crimes and often act against India's interest as agents of foreign countries or terrorist groups, is not a secret. Politicians' one and only one love is for power and it keeps aside all promises they make in the name of the country and public interest.

The opposition blames that the Modi government does not believe in SC. How do opposition parties see Mamta Banerjee, one of their allies, when she violated the ruling of the SC against her ban of The Kerala Story?

Political statements have relevance for political parties. But unfortunately they influence public perception; create hopes and aspirations of party supporters on one hand and a sense of dislike to other parties and their supporters on the other. These statements are very good in a debate, but harmful in dividing public perceptions and betraying public trust. Media often plays a negative role in disseminating political lies of parties they side with and creates various pressure groups without having any genuine problem.

In the protest by wrestlers, some political parties extend their support. Do these parties know for sure that the allegations of the wrestlers are true? If they know, they should provide evidences to the Courts. If they do not know, their support may harm the cause and politicise the whole matter. Politics may come in legal process. Wrestlers are nation's pride; they do not belong to any party, caste, region or union. Politicisation made them losing their calm as is evident from their march to Parliament and decision to throw medals into the Ganga. Unfortunately, they listened to a farmer leader, not to the people's voice to change their mind. It seems that mind of wrestlers have been influenced in political line. Moreover, when political leaders support the cause of wrestlers, they keep mum and blind to such incidents happening in their states or in other contexts. News reports reveal how MK Stalin and Mamta Banerjee are insensitive to violence, rape, molestation and murder in their states. Besides, they play communal cards and incite one community against another. Stalin's anti-Brahmin and Mamta's pro-Muslim stands are not unknown in the country. Such blatant arrogance and undesirable behaviour underlie power equation though they hide behind the plea of social justice communal harmony. Power pull is so strong that politicians do not recognise destabilising forces if they can be used to their advantage. This mind set captures the perception of their followers. Politicians also do not hesitate to take the public in wrong direction and make them involve in unethical decisions. Promise of freebies before election is an instrument to misguide people and lure them to unethical decisions. Issue of guarantees during Karnataka election and demand for their immediate implementation after election may be justified in political languages, but they are undoubtedly distractions from normal behaviour in a democracy. Politicians cross the limit of decency and come down to the level of uncivilised disposition. In India, it has been a trend to criticise individuals, but not to the idea that reflects in his or her action. Most unfortunate is to give names to the Prime Minister. Politicians forget that PM represents the nation and is elected democratically by the people. To abuse him or her is to abuse and disrespect the people, and show distrust in democracy. How can indecent persons work to build up descent society?

When an incident occurs, different political parties involve in mudslinging. They do not come together to solve the problem in public interest. Rather their diverse opinions weaken measures of solution; and safeguarding party interest often becomes primary concern for many than public or nation's interest. Indo-China face off can be taken as an example. There are also other examples. News reports reveal how ministers and parties cry innocence or conspiracy at the time of enquiring their alleged involvement in corruption. Even after finding uncountable money from them or after conviction also they cry innocence! Politicians hold people's perception to ransom through freebies, feeding wrong information and ideas and thereby creating volatile conditions in society. One wonders, if religious conversion by means of force, allurement, inducement or fraud is illegal, why not such behaviours of politicians?

Things happen. Nobody can deny protest against abolition of Article 370, UCC or NRC. There are examples of anti-national slogans. Corruption has been exposed. Love jihad happens. How can one ignore Muslim boys trap Hindu girls in Hindu names? Why there are Muslim shops in Hindu names? Why there are conversions? Will the happenings stop if ignored? Why politicians see such happenings not as real happenings, but as creation of ruling party's wrong policy? Were not such happenings there before BJP? Could it be the reason that earlier governments allowed these things as normal and BJP takes it seriously? Are these normal happenings? Why Jakir Naik's involvement is there in all Jihadi activities? Why does Digvijay Singh have a soft corner for Jakir Naik and the types? What does such politicians' mind convey about the future of public and country?

Politicians' think of their present interest at the cost of people. That is why reservation continues without a thought abolition or modification for last 75 years even though it has not achieved its goal. Is it cowardice of politicians or do they have other agenda? Manipur violence is a shocking example of politicians' indifference towards public good. Politicians of each party have a network of connection right from village to state levels. Who instigates violence cannot be unknown to them. But unfortunately one party blames the other and one community blames the other one. Politicians don't sit together to find a solution. So Manipur keeps burning despite central government's intervention. Politicians beat around the bushes, and who knows, some of them are not behind it. What is in their mind is only known to them.

Politicians do not consider context, time and implication of their statements. Congress and its former President Rahul Gandhi mostly land in controversy for their statements. His foreign visit has been characterised by controversial political statements that hurt national pride. When sensational statements are made by a minister it stands worse than political statement by a party spokesperson. This has unfortunately happened form the statement of Prahalad Joshi in a tweet. About the mural of Akhand Bharat placed in New Parliament he tweeted: 'The resolve of Akhan Bharat is clear'. The mural is about the glorious cultural Bharat of the past and it is clear in Karnatak BJP's tweet that 'it is a symbol of the vitality of our great civilization'. But, Joshi's statement however implies a resolution of achieving it. His statement certainly appeals to the dream of Indians,

though its realisation in contemporary world is not India's international policy. Unfortunately, it invoked reaction from leaders of Nepal, which is but natural when leaders feel insecure or find in it an opportunity for their political gain.Politicians use unnecessary, unsolicited, untimely and irresponsible statements or ideas to divide people into ideological groups and vote banks. They are in the habit of projecting a personality infallible for their political interest. No one is infallible, every one commits mistake. When one political party glorifies a person, the other finds the darker side to demonise. Gandhi or Nehru is an example of such contradictions. While one party glorifies him, another labels hundreds of charges. In fact these great people lived their lives and did the best at that time. To idolise them for political mileage is an insult to them as it reduces their stature by making them vulnerable to criticism. In some cases imaginary personalities like Tilka Manjhi are glorified for political reasons. There are instances where undue credit or false title is added to persons by politicians. Tipu Sultan, who fought against British to protect his kingdom and allied with the France, another colonial power, is being projected as freedom fighter of India. Had he not invited Napoleon Bonaparte, who could not come by chance, perhaps his fight against British would have been acknowledged as his love for freedom of his kingdom. Alliance with neighbouring kingdoms to fight against an enemy king is different from inviting a colonial power in place of another. Contemporary crisis does not demand glorification of ancestors as a way of resolution, it needs leaders' own vision and contribution to address the crisis. Unfortunately, politicians bring in the dead to breathe life in them so as to divert attention from present crisis.

Politicians of a party form government in a state or country if voted to power. But it is an open secret that they lure people of different communities, religions or castes to cast vote in their favour. Winning majority seats when a party forms government, politicians who become a part of the government pledge to work above caste, creed, gender, etc. Even M.L.As and M.P.s of opposition parties and ruling parties outside ministry pledge allegiance to the Constitution. How they can be impartial when they are voted on the basis of castes and communities? Does impartiality reflect in their action? Why appeasement is a much repeated allegation in politics? It is an irony that gap between ideal (that reflects in pledge) and actual is visible, but not admitted by the concerned people. The visibility or allegation about the gap is explained to convince the people in such a way that even if they are not convinced they do not raise any question. Politicians get self-satisfaction by believing that they could prove their innocence in the absence of protest voices. Recently, the Congress led Karnataka government has changed the syllabus and is working in the process of repelling Religious Conversion Act of previous BJP government. Does curriculum of a country follow party ideologies? As government changes, the syllabus also changes. Does it not a burden to tax payers' money? Is not it a futile exercise when country has so many priority areas? Should history be a country's history or something as understood by political party according to its ideology? A country encounters hundreds of events, some desirable and some undesirable. But the country remains. Should history be history of the country or history of undesirable events? To be clear, should history be glorification of invasions, invaders and their rule, or should it be glorification of the country that passed through bad phases in history? Invasions, invaders, migrations, etc. shall have mention in the history of the country, but it is not in the interest of the country to have its history of invasions and glorification of invaders. Details of any topic may be researched in latter stage, but at formative stage of mind in schools and colleges children should know what the country stands for. Such preliminary knowledge builds up foundation of a country's own perspective. The country which has a past history of glorious tradition and knowledge system should not be totally replaced by other systems of knowledge. Otherwise, the country would not have a past and without a past, the country has no future. Syllabus should not be a political weapon; rather it should be a continuity of our knowledge and history along with outside knowledge that complements.

The need of religious conversion act cannot be ruled out when Christianity and Islam have propaganda at their core. We see how deprived sections are converted and how fraudulent means are employed for conversion. Repeal of the act amounts to permission for propaganda that continues using fraudulent means. It would have been better to modify the act if some provisions are repulsive rather than abolishing it. Where is the public interest then? Does it mean that supporters of a political party are its public? How a religion that never believes in propaganda and does not have a fundamentalist ideology like the one based on individual teaching can be protected from onslaught of propaganda religions? Are these two types of religions playing on level grounds?

Politicians have a negative mind with vested interest which they justify as politics. They invariably cite right idea in wrong place to confuse people. In fact politicians are greatest confusion manufacturer in India who feed public with wrong, selective or distorted information, wrong idea, misinterpretation, wrong promises and many such things. The perspective behind beti bachao and beti padhao is always misused by opposition parties without any context. The jibe of beti bachao, in support of protesting female wrestlers, is not only irrelevant but also a mindless reference in the context. Underlying perspective of the slogan is distorted by selecting a part of it to misguide the public. The wrestlers are not weak, neglected and deprived like a girl child in the family and society at a particular stage who need support for their growth. Wrestlers have crossed that stage and have the strength to fight legal battle. Is not it an insult to the capability of these wrestlers and an effort to confuse public and arouse their emotions?

Politicians are full of contradictions, and anybody can get confused when faces contradictions. Confusion is an effective weapon to rule over the mind of public. Ajit Pawar after skipping the inauguration of New Parliament personally feels its need with growing population and the need of growing representative. Gulam Nabi Azad and several other Congress leaders had felt the need of a new Parliament. Even installation of senglo has invited severe criticism from parties while individuals like Sashi Tharoor and Acharya Pramod Krishnam has expressed their voices differently though it is the Congress that opposes a new Parliament tooth and nail by attributing it to Modi's arrogance. Who has to be trusted then? Not only contradictions, but most of the politicians do not have decency. It is not a surprise when Akhilesh Yadav compared New Parliament as the coffin.

In last few months we see politicians released on bail or after completing the tenure of punishment organise 'victory' processions. In fact the insecurity in their mind is behind such processions in order to ensure themselves that they have political relevance. Does their relevance be ensured by making mockery of law?

During Bahanaga (Odisha) tragic train accident oppositions including the Congress demanded resignation of Ashwini Vainshava, the railway minister on morality ground. Is there any morality left with politicians, particularly of present generation opposition leaders? The Congress cites resignation of Shastriji. Is it Shastri as a person of high morality or as a minister of Congress government who resigned? Had the Congress such tradition, Nehru would have resigned in 1962 after the humiliating debacle in Chinese aggression. Was Shastri the only minister during whose tenure rail accident occurred? Was not there any accident during the tenure of other Congress ministers? Did they resign? Is Vaishnava's resignation in public interest? How will his resignation help the country? Will his resignation stop accidents and bring back life of the dead? Perhaps opposition should have entered into constructive dialogue on future safety issues. It cannot be denied that majority of employees in government offices are not sincere and most of them do not work. That is the reason of losses in government establishments and the logic behind privatisation. This did not happen today or yesterday. It is an accumulated mind set over the years. Is not it a moral responsibility of politicians to promote work culture among government employees? Is not it public and country's interest?

Where is the morality when politicians keep on changing parties or political parties forming coalitions of opposite ideas? They take the excuse of negligence of public in the party whom they represent as the cause changing parties. However, it is not understood why they return to the party which they had left and why public don't prosper while politicians' prosperity grows boundless. Bal Thasckery founded Shiv Sena, a right-wing pro-Marathi and Hindu nationalist party and fought with Congress ideology till his death. Unfortunately, his son left the camp of another Hindu party, the BJP and entered into coalition with the Congress and other so called 'secular' parties. He left BJP as he was not made CM and joined the arch rivals to become CM. Is there any morality or ethics in doing so? The issue of Tipu Sulan and Aurangzeb is obviously an emerging anti-Hindu trend in Maharashtra. What is the stand of Uddhav Thackeray on the issue that challenges the ideology which his father held high while founding the party? Hypocrisy is undoubtedly another dimension of politician mind. Obviously, politicians have no ethics and morality. What they do is ethics and morality for them, but not to hold to the standard held by people whom they represent. However, crafty words make the people believe in the justification of their doings, but get confused to understand what morality and ethics really are.

Political parties of opposite ideologies form coalition to oppose the government or form the government by winning elections. They prepare common minimum programmes. Obviously, there is something common even in opposite ideologies. If that is so, is not there anything good in government works to appreciate? Why all the works are opposed and criticised? If they feel government is totally against the public interest why not they fight to change the Constitution so that political parties in power whose work is not in the interest of public cannot fight elections. What's about the people who voted the political party to power? Is opposition to everything not opposition to voter's wisdom? But when everything is only politics and any political saying does not pass through any scrutiny of accountability then it is unfortunately country's interest that is held to ransom.

It is said that lie, damn lie and statistics, progressively notorious in the line. In the same line of thinking, it is lie, damn lie and politician mind, progressively dangerous for the nation and poisonous for public interest. Mamta holds BJP responsible for creating violence in WB. If she knows then why does not she go to the court or take action? Why she does not take appropriate measure to curb violence? Why in the violence TMC is found involved as initiator? Violence was very much there in WB even when BJP had no footing in the state. Bomb culture is also as old as violence. Is it a problem of opposition political parties or left and TMC government? There is no second opinion that violent culture was left-bred in WB. Obviously, it has government connection. There are other oppositions who existed during the left rule and do exist now. How they become non-violent and BJP became only violent? Why are not these parties alleged of creating violence? Why violence occur during elections? Does not the government know the trend? Even if opposition is involved, is not it failure of the government to allow it to happen unabated? All the logic point to the government as creator of violence, whether it was left party or present TMC.

If one keenly observes, one will note that where there is no problem politicians create one and try to solve it by creating several other problems. During inauguration of New Parliament, the Chair of the President was unnecessarily dragged into politics. It was articulated in such a way that the President was made a party of opposing camps. Nowhere any opposition party bothered to know the mind of the President. But the President unfortunately became bait in political battle. By doing so did they add dignity to the Chair? The President's opinion and message expose the littleness and political immaturity of opposition mind. She stated, "The architects of our Constitution had imagined a nation that would be founded on the legislative wisdom of the democratically elected members. So I am delighted that the PM who is the symbol of Parliament's trust is inaugurating this building".

Politicians' mind is a factory of promoting hatred, intolerance, envy, violence in one or the other pretexts. It is dangerous when these negative forces dominate thought and action of politicians who otherwise are meant to serve the masses. In a democracy these are not in the interest of the public and the nation. Politicians in fact have only one interest, i.e. the interest of power. What they say, think, and do; why, how, when, where they do what they do have only one objective of realising their hidden agenda of acquiring power by confusing people and crating voter bank. This is what they mean by human values and country's culture and interest. But always there are exceptions even if a minuscule. Most of the politicians do not have mind to mindfully mind to promote interest of the public and nation honestly and selflessly.

(Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh, Itanagar,Papum Pare,District,Arunachal Pradesh-791112, Email: mcbehera1959@gmail.com;The views expressed by the author are his own and in no way the Editor be held responsible for the them—Editor.)

जी-20 में शामिल होगा अफ्रीकन यूनियन? पीएम मोदी की पहल के मायने समझ लीजिए

भारत ने जी-20 की अध्यक्षता मिलने के बाद से इसके विस्तार को लेकर अहम पहल की है। पीएम मोदी ने जी-20 में अफ्रीकन यूनियन को शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। इस पहल के कई मायने देखे जा रहे हैं। भारत पहले भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर विकासशील देशों की आवाज को मजबूत बनाने की वकालत करता रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफ्रीकन यूनियन को जी-20 की सदस्यता देने का प्रस्ताव करके एक बड़ी कूटनीतिक पहल की है। इस पहल को कई वजहों से अहम माना जा रहा है। जी-20 देशों की अगली शिखर बैठक सितंबर में ही नई दिल्ली में होने वाली है। भारत अभी इस समूह की अध्यक्षता कर रहा है। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विकासशील देशों की मौजूदगी बढ़ाने और उनके स्वर को मजबूती देने का पहले से ही पक्षधर रहा है। जी-20 समूह की अध्यक्षता की इस अवधि में भी उसकी खास तौर पर कोशिश रही कि इस समूह में विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ाकर इसे ज्यादा प्रासंगिक और उपयोगी बनाया जाए। इसी क्रम में उसने साल की शुरुआत में वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट की भी मेजबानी की ताकि गरीब और विकासशील देशों से जुड़े मुद्दों को जी-20 के अजेंडा में शामिल किया जा सके। इस बैठक में ज्यादातर अफ्रीकी देश शामिल हुए और इन देशों की सदस्यता का मसला भी वहीं से जोर पकड़ा। गौर करने की बात है कि 54 अफ्रीकी देशों में से सिर्फ एक देश साउथ अफ्रीका इस ग्रुप का सदस्य है, जबकि यूरोप के पांच देशों के साथ ही यूरोपियन यूनियन को भी इसकी सदस्यता हासिल है। इन देशों की कुल आबादी 1.3 अरब से भी अधिक है। जाहिर है, इतने बड़े जनसमूह को, उसकी जरूरतों और उनसे जुड़े मुद्दों को अपने दायरे से बाहर रखना कोई समझदारी की बात नहीं होगी। हालांकि भारत की ओर से प्रस्ताव रख दिए जाने भर से सदस्यता का यह सवाल हल नहीं हो जाता। जी-20 समूह के विस्तार का कोई भी प्रस्ताव सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ सकता है। ऐसे में भारत के इस प्रस्ताव पर भी बात तभी बनेगी, जब जी-20 के सभी देश इस पर सहमत होंगे। मौजूदा हालात में ऐसी सर्वसम्मति बनाना आसान नहीं होगा। लेकिन इसके बावजूद भारत की ओर से यह प्रस्ताव आना महत्वपूर्ण है। एक वजह तो यही है कि इससे कम से कम यह मुद्दा अजेंडे पर आ गया। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता हासिल करने का भारत का लक्ष्य। भारत ने अपनी यह इच्छा छुपाई नहीं है। वह शुरू से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर छोटे और विकासशील देशों का मुद्दा उठाने के लिए जाना जाता रहा है। इस पहल के जरिए उसने अपनी इस छवि को तो मजबूती दी ही, अफ्रीकी देशों के साथ अपने जुड़ाव को भी एक बार फिर से रेखांकित कर दिया है। अफ्रीकन यूनियन को संयुक्त राष्ट्र महासभा में परमानेंट ऑब्जर्वर का दर्जा हासिल है और ये 54 अफ्रीकी देश वोटरों का एक बड़ा समूह बनाते हैं। जाहिर है, न केवल जी-20 समूह को ज्यादा व्यापक बनाने और उसके जरिए इस दुनिया को ज्यादा न्यायपूर्ण बनाने के लिहाज से बल्कि सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के सवाल पर भारत के लिए इन 54 देशों का समर्थन सुनिश्चित करने की दृष्टि से भी पीएम मोदी की यह ताजा पहल बेहद महत्वपूर्ण है।

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

बबीता फोगाट ने हमारे विरोध को कमजोर करने का प्रयास किया : साक्षी मलिक

नई दिल्ली। ओलंपिक खेलों की पदक विजेता साक्षी मलिक ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता और राष्ट्रमंडल खेलों की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता पहलवान बबीता फोगाट पर आरोप लगाया कि वह पहलवानों का इस्तेमाल अपने स्वार्थ के लिए कर रही हैं और उनके विरोध को कमजोर कर रही हैं। साक्षी और उनके पति सत्यव्रत कादियान ने शनिवार को भी वीडियो पोस्ट करके आरोप लगाया था कि बबीता और भाजपा के एक अन्य नेता तीरथ राणा ने शुरुआत में पहलवानों के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की स्वीकृति ली थी लेकिन बाद में उन्हें सलाह देने लगे कि इस मंच का इस्तेमाल राजनीति पार्टियों द्वारा राजनीतिक उद्देश्य से नहीं होना चाहिए।

साक्षी, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया सहित देश के शीर्ष पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न और डराने-धमकाने का आरोप लगाया है और उसे गिरफ्तार करने की मांग की है। कादियान और साक्षी ने एक पत्र भी दिखाया जिसमें कथित तौर पर दिखाया गया है कि बबीता और राणा ने जंतर-मंतर पुलिस थाने से पहलवानों के धरने की स्वीकृति ली थी। साक्षी ने रविवार को ट्वीट किया, वीडियो (शनिवार को) में हमने तीरथ राणा और बबीता फोगाट पर तंज कसा था कि कैसे वे अपने स्वार्थ के लिए पहलवानों को इस्तेमाल करना चाह रहे थे और कैसे पहलवानों पर जब विपदा पड़ी तो वे जाकर सरकार की गोद में बैठ गए। उन्होंने कहा, हम मुसीबत में ज़रूर हैं लेकिन हास्यबोध इतना कमजोर नहीं हो जाना चाहिए कि ताकतवर को काटी चुटकी पर आप हंस भी न पाएं।

बृजभूषण के खिलाफ विरोध की अगुआई कर रहे तीन शीर्ष पहलवानों में से एक विनेश ने भी अप्रैल में अपनी चचेरी बहन से आग्रह किया था कि वह सोशल मीडिया पर विरोधाभासी बयान जारी करके हमारे अभियान को कमजोर' नहीं करे। हैवीवेट पहलवान कादियान ने शनिवार को कहा था कि उनका आंदोलन राजनीति से प्रेरित नहीं है और सरकार के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा था, हम पिछले कई महीनों से डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं क्योंकि उसने महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न किया है।

कादियान ने कहा, जनता के बीच इस तरह का माहौल तैयार किया गया कि हमारा आंदोलन राजनीति से प्रेरित है।

प्रदर्शन पर कोई सवाल न उठे इसलिए श्रीशंकर ने स्वयं ही डोप जांच के लिए नमूना दिया

भुवनेश्वर। लंबी कूद के एथलीट मुरली श्रीशंकर ने रविवार को 8.41 मीटर के प्रयास के साथ आगामी विश्व चैंपियनशिप का टिकट पक्का करने के बाद नाडा (राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी) अधिकारियों को स्वेच्छा से' डोप नमूना दिया ताकि काई उन पर संदेह ना करे। श्रीशंकर के पिता और कोच एस मुरली ने पीटीआई-भाषा को यह जानकारी दी।

चौबीस साल के श्रीशंकर ने यहां राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैम्पियशिप में अपने पहले ही प्रयास में 8.41 मीटर की छलांग लगायी। वह हालांकि जेस्विन एल्ड्रिन के 8.42 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी करने से सिर्फ एक सेंटीमीटर से चूक गए। एल्ड्रिन ने इसी साल राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। एल्ड्रिन इस स्पर्धा में 7.83 मीटर की छलांग के साथ दूसरे स्थान पर रहे। श्रीशंकर नाडा के अधिकारियों द्वारा नमूना देने से मना करने के बाद भी अपना मूत्र नमूना देने के लिए संग्रह कक्ष में गए।

श्रीशंकर के पिता और कोच एस मुरली ने कहा, 'यह फाइनल मुकाबला नहीं था इसलिए नाडा की टीम ने नमूना देने के लिए नहीं कहा था लेकिन उन्होंने सोचा कि उन्हें स्वेच्छा से ऐसा करना चाहिए ताकि कोई भी उनके प्रदर्शन पर संदेह न करे। उनके नमूने को नाडा की टीम ने स्वीकार कर लिया।'

नाडा का दल 15 जून को शुरू हुए इस पांच दिवसीय आयोजन के लिए यहां पहुंचा है। नाडा के अधिकारियों के विभिन्न स्पर्धाओं के पदक विजेताओं को नमूना देने के लिए बुलाते देखा गया। रजत और कांस्य पदक जीतने वाले कुछ खिलाड़ियों ने हालांकि कहा कि नाडा ने उन्हें नमूना देने के लिए नहीं बुलाया है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ी खुद भी अपने नमूने को देने की पेशकश कर सकते हैं लेकिन यह नाडा पर है कि वह इसे स्वीकार या नहीं। श्रीशंकर हालांकि नाडा के नवीनतम पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में हैं। वह 2023 की दूसरी तिमाही (अप्रैल से जून) के आरटीपी में सूचीबद्ध 77 ट्रैक एवं फील्ड एथलीटों में शामिल हैं।

अभियान

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को देहरादून में गांधी पार्क से पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क तक 'प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत अभियान' के तहत स्वच्छता अभियान में शामिल हुए।

मेरठ का 12 किलोग्राम वजनी 'बाहुबली' समोसा: 30 मिनट में खाइए, 71,000 रुपए जीतिए

मेरठ /भाषा। अपनी रेवड़ी और गजक के लिए मशहूर मेरठ अब अपने 'बाहुबली' समोसे को लेकर लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। आलू, मटर, मसाले, पनीर और सूखे मेवों से तैयार नमकीन भरवां मिश्रण से बना 12 किलोग्राम वजनी यह समोसा इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय है। इसे 30 मिनट में खाने वाले को 71,000 रुपए का इनाम दिए जाने की घोषणा की गई है।

लालकुर्ती स्थित कौशल स्वीट्स के तीसरी पीढ़ी के मालिक शुभम कौशल ने कहा कि वह समोसे को आकर्षण का केंद्र बनाने के लिए 'कुछ अलग करना' चाहते थे और इसलिए उनके मन में 12 किलोग्राम का 'बाहुबली समोसा तैयार करने का विचार आया। कौशल ने कहा कि लोग अपने जन्मदिन पर पारंपरिक केक के बजाय 'बाहुबली' समोसा काटते हैं।

उन्होंने कहा कि 30 मिनट में इसे पूरा खाने पर 71,000 रुपए के इनाम की घोषणा भी की गई है। इस समोसे को तैयार करने में कौशल के बावर्चियों को करीब छह घंटे का समय लगता है। कौशल ने बताया कि कड़ाही में समोसा सिर्फ तलने में डेढ़ घंटा लगता है और इस काम में तीन बावर्चियों की मेहनत लगती है।

निमरत कौर ने पूरी की 'सेक्शन 84'

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री निमरत कौर ने अपनी आने वाली फिल्म 'सेक्शन 84' की शूटिंग पूरी कर ली है। निमरत कौर ने इंस्टाग्राम पर अपनी फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वह फिल्म की टीम के साथ सेलिब्रेट करतीं नजर आ रहीं हैं। निमरत ने फोटोज शेयर करते हुए अमिताभ बच्चन के साथ अपने काम को लेकर एक्सपीरियंस भी शेयर किया है।

निमरत ने नोट लिखा है 'मेरी दो सबसे पसंदीदा शब्द-एक्शन और कट के पहले, बीच और बाद में मैंने जो महसूस किया, उसे समझाने के लिए कोई भी शब्द कभी भी पर्याप्त नहीं होगा। किसी किताब के आखिरी पन्ने की तरह, जिसे आप कभी खत्म नहीं करना चाहते हैं, आखिरी दिन अपने साथ कृतज्ञता, जीवन भर के लिए सीख, अलगाव की चिंता और एक साधारण ज्ञान लेकर आया है कि एक अभिनेता के रूप में कुछ भी आपको स्क्रीन स्पेस शेयर करने के लिए तैयार नहीं कर सकता है। कई जन्मों में एक बार प्रकृति का बल, श्री अमिताभ बच्चन । फिल्म 'सेक्शन 84' में निमरत कौर के अलावा अमिताभ बच्चन और डियाना पेंटी भी लीड रोल में हैं।

फिल्म 'स्पाई' का मोशन पोस्टर रिलीज

मुंबई/वार्ता

दक्षिण भारतीय सिनमा के जानेमाने अभिनेता निखिल सिद्धार्थ की आने वाली फिल्म 'स्पाई' का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। निखिल सिद्धार्थ फिल्म 'स्पाई' में धमाकेदार एक्शन करते हुए नजर आएंगे।फिल्म 'स्पाई' का मोशन पोस्टर सोशल मीडिया पर रिलीज हो गया है।इस फिल्म की कहानी एक जासूस पर आधारित है। 'स्पाई' के पोस्टर में निखिल सिद्धार्थ बेहद डैशिंग लुक में नजर आ रहे हैं, जो देश के दुश्मनों का खात्मा करने के लिए फुल ऑन एक्शन मोड में हैं। 'स्पाई' के जरिए संगीता अहीर ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया है, बतौर फिल्म निर्माता यह उनकी पहली तेलुगू फिल्म है। मोशन पोस्टर लॉन्च करने के बाद संगीता अहीर ने कहा, जैसा कि मोशन पोस्टर से पता चल रहा है, कि यह एक एक्शन से भरपूर फिल्म है जो हर किसी के होश उड़ा देगी। यह फिल्म 29 जून 2023 को देश भर के सिनेमाघरों में तेलुगु और हिंदी भाषा में एक साथ रिलीज होगी।। दिमाग घुमा देने वाले 'जासूस' की कहानी देखने के लिए तैयार हो जाइए।

रिलायंस नए ऊर्जा कारोबार से 2030 तक कर सकती है 10-15 अरब डॉलर की कमाई

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज सौर से हाइड्रोजन तक फैले नए ऊर्जा कारोबार से 2030 तक 10-15 अरब डॉलर की कमाई कर सकती है। हालांकि, उसे प्रौद्योगिकी में अपनी सीमित विशेषज्ञता की भरपाई नए अधिग्रहणों या भागीदारी के जरिये करनी होगी। सैनफोर्ड सी बर्नस्टीन की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। स्वच्छ ऊर्जा (सौर, बैटरी, इलेक्ट्रोलाइजर और फ्यूल सेल) 2050 तक भारत में 2,000 अरब डॉलर के निवेश के साथ भारत में रिलायंस के लिए विकास का नया स्तंभ है। भारत 2030 तक 280 गीगावॉट सौर क्षमता और 50 लाख टन हरत एच2 उत्पादन का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट की आने वाली हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। आलिया भट्ट फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' से हॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। आलिया भट्ट नेफिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' का ट्रेलर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। ट्रेलर में गल गैडोट धमाकेदार एक्शन करती नजर आ रही हैं। वहीं, आलिया विलेन के रोल में भी काफी जंच रही हैं। ट्रेलर को शेयर करते हुए आलिया ने इंस्टाग्राम पर कैप्शन

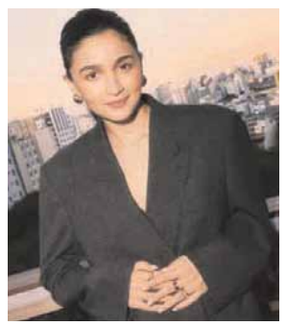

दिया, 'हार्ट ऑफ स्टोन, 11 अगस्त नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है।

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' का टीजर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड फिल्मकार जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म 'द आर्चीज' के साथ शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, जान्हवी कपूर की बहन खुशी कपूर और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा डेब्यू करेंगे। द आर्चीज' का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर एक मिनट लंबा है, जिसकी शुरुआत रिवरडेल नाम के हिल स्टेशन से होती है। स्टेशन पर ट्रेन आती है। अगले सीन में कुछ विंटेज और रेट्रो कारें दिखती हैं। अलग-अलग शॉट्स दिखते हैं, जिनमें से एक में अगस्त्य नंदा गिटार बजाते, तो वहीं सुहाना खान और खुशी कपूर डांस करती नजर आ रही हैं। टीजर में दोस्तों की मस्ती और डांस के साथ-साथ दुखभरे पल भी हैं। 'द आर्चीज' फिल्म की कहानी कॉमिक बुक कैरेक्टर आर्ची एंड्रयूज और उसके दोस्तों पर आधारित है।यह फिल्म इसी साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है।'

संजीता भट्टाचार्य फिल्म जवान से करने जा रही हैं डेब्यू

मुंबई/एजेन्सी

संजीता भट्टाचार्य, जिन्होंने फील्स लाइक इश्क और द ब्रोकन न्यूज जैसे ओटीटी शो में अभिनय किया है और अपनी गायकी के लिए भी जानी जाती हैं, शाहरुख खान स्टारर जवान के साथ अपने फिल्म करियर को शुरू करने जा रही हैं। उन्हें फिल्म के ऑडिशन के लिए कॉल तब आया जब वह एक म्यूजिकल कॉन्सर्ट के लिए कोलकाता में थीं। जब उसने मुंबई में ऑडिशन दिया, तो उसे पता नहीं था कि यह जवान के लिए है। उसने एक बयान में कहा, शुरुआत में, ऑडिशन के दौरान, मुझे प्रोजेक्ट के बारे में पूरी जानकारी नहीं थी। हालाँकि, जैसे ही मुझे इसमें शामिल अभिनेताओं के अविश्वसनीय लाइनअप के बारे में सूचित किया गया, मेरे अंदर अविश्वास और खुशी का एक जबरदस्त मिश्रण उमड़ पड़ा। मैं जोर से चिल्लायी। उस पल के बाद से, मेरे सामने आने वाले हर सवाल का जवाब 'हां' में फौरन मिल जाता था। यह सोचकर ही कि मैं जवान जैसी भव्य परियोजना का हिस्सा हूं, मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। साथ ही, मुझे पता है कि इस फिल्म को लाखों लोग देखेंगे।

जवान की शूटिंग के अपने अनुभव को साझा करते हुए, संजीता ने कहा, इस तरह के अनुभवी अभिनेताओं से घिरे होने के कारण, मैंने खुद को लगातार सीखते और बढ़ते हुए पाया। यह वास्तव में एक अनमोल खजाना है जिसे मैं जवान सेट से ले रही हूं - व्यक्तियों का एक उल्लेखनीय समूह, जिनके पास न केवल अपार प्रतिभा है, बल्कि वास्तविक दयालुता, हास्य की महान भावना और नासमझी भी है। ये उल्लेखनीय लोग अब मेरे जीवन का एक अभिन्न अंग बन गए हैं, और मैं उन्हें अपने प्रिय मित्र कहने के लिए आभारी हूं। जाहिर है, शाहरुख खान के साथ अभिनय करना संजीता के लिए एक सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन मैं शाहरुख खान के साथ कॉफी पीऊंगी, गाना गाऊंगी और डांस करूंगी।

ऐसा लगा जैसे मैं एक सपना जी रही थी। उन्होंने सुनिश्चित किया कि हर कोई सेट पर सहज रहे और यहां तक कि जब उन्हें पता चला कि मैं एक संगीतकार हूं तो मुझे एक गिटार और माइक्रोफोन भी दिया। गौरतलब है कि एटली कुमार द्वारा निर्देशित और विजय सेतुपति, नयनतारा और सान्या मल्होत्रा अभिनीत, जवान इस साल 7 सितंबर को रिलीज़ होने वाली है।

मनोरंजन उद्योग में योगदान के लिए ब्रिटिश संसद में सम्मानित होंगे करण जौहर

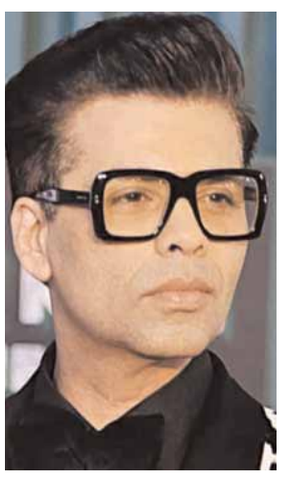

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता करण जौहर को अगले सप्ताह, मंगलवार 20 जून 2023 को ब्रिटिश संसद में लॉर्ड्स और संसद सदस्यों की उपस्थिति में वैश्विक मनोरंजन उद्योग में उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

यूनाइटेड किंगडम की संसद के दोनों सदनों, हाउस ऑफ कॉमन्स और हाउस ऑफ लॉर्ड्स दोनों के लिए मिलन स्थल। जौहर का यूनाइटेड किंगडम के साथ एक विशेष संबंध है, जिसने देश भर में कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, और ऐ दिल है मुश्किल जैसी कई प्रस्तुतियों को फिल्माया है। 2012 में, लोगों को देश की यात्रा और अन्वेषण करने के लिए आकर्षित करने और आमंत्रित करने के लिए एक विशेष अभियान के लिए उन्हें विजिट ब्रिटेन के सद्भावना राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया था।

उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्में कभी खुशी कभी गम और माई नेम इज खान यूके बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्में बन गईं, जिन्होंने नए रिकॉर्ड स्थापित किए। वह वर्तमान में ब्रह्मास्त्र पार्ट वन: शिवा, सूर्यवंशी, बाहुबली, ये जवानी है दीवानी, और कभी अलविदा ना कहना जैसी फिल्मों के पीछे भारत के शीर्ष फिल्म निर्माण स्टूडियो में से एक, धर्मा प्रोडक्शंस के प्रमुख हैं। इस साल वैश्विक मनोरंजन उद्योग में काम करने की उनकी 25 वीं वर्षगांठ है, जो ब्रिटिश भारत में जन्मी अभिनेत्री आलिया भट्ट और रणवीर सिंह अभिनीत उनकी अगली फिल्म के साथ मनाई जाएगी, जिसका शीर्षक रॉकी और रानी की प्रेम कहानी है, जो इस गर्मी में ब्रिटेन के सिनेमाघरों में और विश्व स्तर पर 28 जुलाई 2023 रिलीज होगी।

योग

नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले रविवार को रांची में योगदा सत्संग सोसाइटी (वाईएसएस) द्वारा आयोजित सामूहिक योग करते लोग।